भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

5 अगस्त - 11 अगस्त 2026

श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनायें

jagrukjanta.net

श्रावण, पक्ष - कृष्ण, तिथि - सप्तमी, संवत 2083 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-23, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

लग्जरी वाहनों का बेकाबू होना: नशा अमीरी का या शराब का

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

ना जाने कितने की ऐसे केस मिल जायेंगे, जिसमें लग्जरी वाहनों की दुर्घटना में ना जाने कितनों का जीवन काल का ग्रास बन गया। कभी-कभी ये घटनायें दूसरों का जीवन लील लेती है तो कई मामलों में स्वयं का जीवन समाप्त हो जाता है। लग्जरी वाहनों की बात की जाए तो इनका बेकाबू होना कोई सहज नहीं माना जा सकता है। कभी-कभी नशा अमीरी का होता है तो कभी-कभी व्यसन का। पीछे रह जाती है पारिवारिक-सामाजिक, आर्थिक संवेदनायें। युवा मौत छोटे बच्चों को अनाथ कर देती है, पत्नी कम उम्र में बेवा हो जाती है और परिवार बिखर जाता है. बिखरा हुआ परिवार कई मर्तबा समाज को बड़ी हानि पहुंचाता है, कई बार असमय अनाथ हुए बच्चे लालन-पालन के अभाव में मनोरोगी हो जाते हैं, भविष्य में अपराधी हो जाते है. लोलुप पुरुष प्रधान समाज युवा विधवा को आसानी से जीने नहीं देता है और कई बार उन्हें गलत रास्ते पर धकेल देता है। जीवन-मूल्यों के अभाव में व्यक्ति को दायित्व-बोध होता ही नहीं है, व्यक्ति अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां समझ ही नहीं पता। ऐसा व्यक्ति स्वयं को नियमों से ऊपर समझता है और अनुशासनहीन होकर पशुवत व्यवहार करने लगता है. मानव का पशु होना ही इन दुर्घटनाओं का मूल कारण है। दुर्घटनाओं के मूल-कारणों का गहराई से अध्ययन किया जाए तो समझ आता है कि सभी दुर्घटनाओं के पीछे चालक में जीवन तथा जीवन-मूल्यों का अभाव होना है। जीवन-मूल्यों के अभाव में व्यक्ति को दायित्व-बोध होता ही नहीं है, व्यक्ति अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां समझ ही नहीं पता। ऐसा व्यक्ति स्वयं को नियमों से ऊपर समझता है और अनुशासनहीन होकर पशुवत व्यवहार करने लगता है. मानव का पशु होना ही इन दुर्घटनाओं का मूल कारण है।

साक्षर एवं शिक्षित होने में बड़ा अंतर है। साक्षर व्यक्ति अक्षरों को तो समझ सकता है किंतु जीवन एवं जीवन मूल्यों को नहीं। जबकि शिक्षित व्यक्ति अक्षरों के साथ-साथ जीवन मूल्यों को तथा दायित्व को बेहतरीन तरीके से समझता है। व्यक्ति में दायित्व-बोध वास्तविक शिक्षा से ही उत्पन्न होता है, साक्षरता से नहीं। दुपहिया वाहन चालकों द्वारा सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करना, मूर्खतापूर्ण तरीके से ओवर-टेकिंग करना, अनावश्यक तौर पर दोपहिया वाहन चलाते हुए मोबाइल पर मैसेज तक टाइप करना निश्चित तौर पर मौत को आमंत्रित करता है। महंगी लग्जरी गाड़ियों से होने वाली दुर्घटनाओं में वाहन चालक तीन-प्रकार के नशे में होता है, दौलत का नशा, शक्तिशाली होने का नशा और शराब का नशा। इस त्रिआयामी नशे में चापलूस तथा अवसरवादी मित्रों के आत्ममुग्ध कर देने वाले वाक्य ऐसा तड़का लगाते हैं कि व्यक्ति रावण हो जाता है। सब कुचल डालने को आतुर हो जाता है और फिर कई जिंदगियों को लील जाता है।

shivdayalmishra@gmail.com

प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण स्वीकृतः राजस्थान में लघु उद्योगों से लेकर रेहड़ी-पटरी वालों को मिल रही 'मुद्रा'

2 करोड़ 55 लाख से अधिक को मिला मुद्रा ऋण लाभ

महिलाएं ऋण लेने में आगे, 60 प्रतिशत ने लिया योजना का लाभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

Pradhan Mantri mudra Yojna

जयपुर। राजस्थान में छोटी विनिर्माण इकाइयों-लघु उद्योगों से लेकर रेहड़ी-पटरी वालों के आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में योजना के माध्यम से अब तक 2 करोड़ 55 लाख से अधिक लाभार्थियों को संस्थागत वित्त पोषण प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत प्रदेश में 2 करोड़ 55 लाख 91 हजार 381 लाभार्थियों को 2 लाख 18 हजार 423 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। इसमें 1 करोड़ 54 लाख 15 हजार से अधिक महिलाओं को 67 हजार 982 करोड़ रुपये से अधिक का मुद्रा ऋण भी शामिल है। इस प्रकार लगभग 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ महिलाओं ने योजना में बढ़-चढ़कर भाग लिया और ऋण प्राप्त किया। वहीं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही 23 लाख से अधिक लाभार्थियों को 31 हजार 460 करोड़ रुपये का ऋण वितरित भी हो चुका है।

केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में अतारांकित प्रश्न के जवाब में बताया कि देश के असंगठित क्षेत्र को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध करवाने में मुद्रा योजना ने उल्लेखनीय कार्य किया है। जून 2026 तक योजना के अन्तर्गत देशभर में 59 करोड़ 14 लाख से अधिक लोगों को 41 लाख 71 हजार करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया है।

उल्लेखनीय है कि गैर-कार्पोरेट, लघु उद्यमों को 20 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाने के लिए वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरूआत की गई थी। इस योजना में लाभार्थी वित्तपोषण की जरूरतों के अनुरूप शिशु, किशोर, तरुण और तरूण प्लस वर्गों के लिए ऋण आवेदन कर सकता है।

डाबर के '100% शुद्ध' दावे वाले प्रोडक्ट पर रोकः FSSAI ने शहद-घी समेत कई सामान बेचना बैन, 15 दिन में रिपोर्ट मांगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। डॉबर के कई प्रोडक्ट की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। इनमें शहद और गाय का घी भी शामिल है। ये प्रोडक्ट 100% शुद्धता के दावे के साथ बेचे जा रहे थे। यह रोक खाने-पीने के सामानों के मानक तय करने वाली सरकारी संस्था FSSAI ने लगाई है। फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने इन दावों को गुमराह करने वाला बताया है। इस पर डाबर से 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी है। सोमवार 3 अगस्त को FSSAI ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी है। FSSAI के अनुसार, कंपनी की वेबसाइट पर बेचे जा रहे खाद्य पदार्थों पर भ्रामक दावे पाए गए थे। इनमें '100% नेचुरल', '100% प्योर', '100% प्योरिटी गारंटेड', '100% ऑर्गनिक' और '100% टेंडर कोकोनट वॉटर' जैसे लेबल शामिल थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिए स्थानीय निकाय चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति के गठन के आदेश

निकाय चुनावः लोस-विस चुनावों की तरह घोषणापत्र बनाएगी बीजेपी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भले ही तारीखों का औपचारिकता ऐलान नहीं हुआ हो, लेकिन राजनीतिक दलों की सियासी तैयारियां तेज हो गई हैं. भारतीय जनता पार्टी ने स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर एक नई पहल की है. पार्टी लोकसभा और विधानसभा के चुनावों की तर्ज पर इस बार निकाय चुनाव के लिए भी घोषणापत्र बनाएगी. इसी की तैयारी के लिए पार्टी ने एक समिति का गठन किया है जिसकी कमान राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी को सौंपी गई है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की ओर से स्थानीय निकाय चुनाव घोषणा पत्र समिति-2026 और संभागीय चुनाव संचालन संशोधित समिति का गठन किया गया है.

घोषणा पत्र समिति में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी को शामिल किया गया है. समिति में पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र कुमार गहलोत, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता, पूर्व महापौर सौम्या गुर्जर, महेश विजयवर्गीय, गोविंद टांक, पूर्व महापौर बृजलता हाड़ा, पूर्व महापौर सुशीला राजपुरोहित, पूर्व सभापति कृष्णा कटारा, पूर्व सभापति राकेश शर्मा और पूर्व उपमहापौर गिरीश चौधरी को सदस्य बनाया गया है।

समिति में जयपुर से घनश्याम तिवाड़ी, मोहनलाल गुप्ता और सौम्या गुर्जर, झुंझुनूं से संतोष अहलावत, जोधपुर से राजेंद्र कुमार गहलोत, सीकर से श्रवण सिंह बगड़ी, कोटा से महेश विजयवर्गीय, उदयपुर से गोविंद टांक, अजमेर से बृजलता हाड़ा, बीकानेर से सुशीला राजपुरोहित, बांसवाड़ा से कृष्णा कटारा, भीलवाड़ा से राकेश शर्मा और भरतपुर से गिरीश चौधरी को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

संभागवार समितियों में संशोधन

भाजपा ने निकाय चुनाव के संचालन के लिए संभागवार समिति में संशोधन किया है. जयपुर संभाग की समिति में प्रभुलाल सैनी, गजेंद्र सिंह राजपुरोहित और शंकर सिंह राजपुरोहित को शामिल किया गया है। जोधपुर संभाग में ओंकार सिंह लखावत, सी.आर. चौधरी और हैमाराम मीणा को जिम्मेदारी दी गई है. उदयपुर संभाग की समिति में राजेंद्र राठौड़, लक्ष्मीनारायण लसाड़िया और नारायण पंचारिया शामिल हैं।

'अंगदान दिवस' पर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 'अंगदान' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अंगदान और जन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रसार हो-राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि "अंगदान" मानवता के लिए अपने आपको समर्पण करने से जुड़ा महादान है। उन्होंने कहा कि अंगदान की सबसे बड़ी बाधा मनुष्य के भीतर का डर है। इसे भगाने और इस सम्बन्ध में लोगों को प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज में अंगदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया है।

राज्यपाल बागडे राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में 'अंगदान' जागरूकता कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किडनी का सफल प्रत्यारोपण एक दिसम्बर 1971 को तमिलनाडु में हुआ। उन्होंने इतने वर्ष पहले अंग प्रत्यारोपण होने के बावजूद अंगदान के प्रति जागरूकता नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि अंगदान दिवस मनाने की बजाय इसे एक आंदोलन मानकर क्रियान्वित किया जाए। राज्यपाल ने अंगदान के साथ स्वास्थ्य जागरूकता के लिए भी अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम घर में एक दिन पहले बनी रोटी नहीं खाते परन्तु बाजार से पुरानी बनी ब्रेड खरीदकर खा लेते हैं। उन्होंने खान पान की आदतों में सुधार किए जाने और व्यसन मुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। राज्यपाल ने आरम्भ में उन सभी महान आत्माओं को भी श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने अपना अंग दान कर दूसरों को नया जीवन दिया है। उन्होंने सभी को अंगदान की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हर वर्ष लाखों लोग विभिन्न अंगों की आवश्यकता के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। किडनी, लिवर, हृदय और फेफड़ों की मांग आज भी सर्वाधिक है। पर उपलब्धता बहुत कम है। इस दृष्टि से अंगदान का यह महत्व समझाया जाना जरूरी है कि इससे हम किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा ला सकते है। राज्यपाल ने कहा कि भारत में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख लोग अंग प्रत्यारोपण नहीं होने से अपनी जांन गंवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां अंग प्रत्यारोपण करने की सुविधाएं अच्छी है लेकिन यहाँ पर अंगदान करने वालों की संख्या अभी भी बहुत ही कम है। उन्होंने अंगदान की प्रेरणा के साथ–साथ अंगदान से जुड़ी सेवाओं का भी प्रदेश में विस्तार करने और सभी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण संबंधी उपकरणों की व्यवस्था प्रभावी रूप में किए जाने पर जोर दिया।

मुख्य सचिव ने जनगणना कार्य निदेशालय का दौरा कर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली

17 अगस्त से पूर्व भू-स्थानिक एवं डिजिटल टूल्स पर कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जनगणना कार्य निदेशालय का दौरा कर निदेशालय की विभिन्न कोर गतिविधियों, जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण की सफलतापूर्वक पूर्णता तथा भविष्य की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। मुख्य सचिव ने सांख्यिकीय टीम के प्रति स्नेह और उत्साह व्यक्त किया तथा निदेशालय के उच्च सांख्यिकीय मानकों की सराहना की।

हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंसस का सफल समापन

मुख्य सचिव ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना (हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस) का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। निदेशालय अब आगामी फरवरी 2027 में प्रस्तावित जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों में जुट गया है, जिसके लिए प्रशासनिक एवं लॉजिस्टिक व्यवस्थाएं तेजी से की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डेमोग्राफिक चेंज कमेटी, जिसमें उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र भी शामिल हैं, के साथ हाल ही में हुई चर्चाओं में सांख्यिकीय डेटा को नियमित रूप से अद्यतन करने के महत्व पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण, कृषि एवं जनसंख्या के सटीक आंकड़े ही पारदर्शी और प्रभावी नीति-निर्माण की रीढ़ हैं।

जिला जनगणना हस्तपुस्तिका और प्रशासनिक एटलस का अद्यतन

समीक्षा बैठक के दौरान जिला जनगणना हस्तपुस्तिका एवं प्रशासनिक एटलस के त्वरित अद्यतन पर विशेष बल दिया गया। प्रदेश में जिलों, तहसीलों और उप-मंडलों की संख्या में हुई उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए ग्रामीण एवं शहरी विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने में यह दस्तावेज अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि डिजिटल तकनीक और भू-स्थानिक उपकरणों के कुशल उपयोग से शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने में और अधिक सहायता मिलेगी। बैठक के समापन पर मुख्य सचिव ने निदेशालय के सभी सांख्यिकीय अन्वेषकों एवं अधिकारियों के योगदान की सराहना की और कहा कि जनगणना से जन कल्याण के विजन को साकार करने में सांख्यिकी संवर्ग की भूमिका सर्वोपरि है। आगामी 17 अगस्त से पूर्व भू-स्थानिक एवं डिजिटल टूल्स के उपयोग पर एक विस्तृत कार्यशाला आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

शासन सचिवालय में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कार्मिक (ख-3) विभाग के संयुक्त शासन सचिव आशीष शर्मा ने कहा कि शासन सचिवालय, जयपुर में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 के सफल, सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण आयोजन के लिए सभी विभाग निर्धारित समय-सीमा में अपनी तैयारियां पूर्ण करें। उन्होंने सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में विभागवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। शर्मा ने सार्वजनिक निर्माण विभाग को मरम्मत कार्य, मंच, रैंप, प्रकाश एवं पेयजल व्यवस्था समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम, जयपुर विकास प्राधिकरण एवं उद्यान विभाग को सचिवालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही, पुलिस विभाग को सुरक्षा, यातायात एवं प्रवेश व्यवस्था, चिकित्सा विभाग को एम्बुलेंस एवं चिकित्सकीय दल तथा जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड को परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जयपुर नगर निगम, जयपुर विकास प्राधिकरण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आपसी सहमति से हुआ भूमि विभाजन, वर्षों पुराना विवाद हुआ समाप्त

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 आमजन की वर्षों पुरानी समस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इसी क्रम में तहसील तूंगा की ग्राम पंचायत नगराजपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में सह-खातेदारों के मध्य लंबे समय से चले आ रहे भूमि विवाद का आपसी सहमति से समाधान कर बड़ी राहत प्रदान की गई। ग्राम नगराजपुरा निवासी मधुसूदन पुत्र मोहनलाल एवं रमेश चंद पुत्र घीस्या की कृषि भूमि खसरा संख्या 102 से संबंधित सह-खातेदारी भूमि का विवाद लंबे समय से लंबित था। भूमि के विभाजन नहीं होने के कारण दोनों पक्षों को कृषि कार्य, राजस्व संबंधी कार्यों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीण सेवा शिविर में राजस्व अधिकारियों ने मामले का परीक्षण कर राजस्व अभिलेखों के आधार पर आपसी सहमति से तकासमा (विभाजन) की कार्रवाई पूर्ण कराई। इससे वर्षों से चला आ रहा भूमि विवाद समाप्त हो गया तथा दोनों सह-खातेदारों को अपनी भूमि पर पृथक अधिकार प्राप्त हो गया। समस्या समाधान होने पर लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार एवं ग्रामीण सेवा शिविर में कार्यरत अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

51 यजमान जोड़ों ने किया पार्थिव शिवलिंग पूजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बस्सी (जयपुर)। श्रावण मास के पावन अवसर पर विद्वानों की नगरी बस्सी में आयोजित भव्य पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं महारुद्राभिषेक से संपूर्ण क्षेत्र शिवमय हो उठा। वैदिक मंत्रोच्चार और 'हर-हर महादेव' के जयघोष के बीच 51 यजमान जोड़ों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। कार्यक्रम आचार्य पं. गजानंद शर्मा, किशनपुरा के आचार्यत्व में संपन्न हुआ। अनुष्ठान में ब्रह्मा के रूप में छोटी काशी बूंदी से पधारे श्री साकेत पंचांग के गणितकर्ता अक्षय शास्त्री ने वैदिक विधि-विधान का निर्वहन कराया।

इस अवसर पर पं. द्वारका प्रसाद शर्मा, पं. रामावतार शर्मा, पं. कमल शर्मा, पं. भवानी शंकर शर्मा, पं. निर्मल जी, पं. नेमीचंद जी, बिट्टू जी एवं प्रीतम जी सहित कुल 21 विद्वान ब्राह्मणों के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्रपाठ एवं पार्थिव शिवलिंग पूजन संपन्न कराया गया। विद्वान ब्राह्मणों के सामूहिक मंत्रोच्चार से संपूर्ण पूजा स्थल शिवभक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। आयोजन का प्रमुख आकर्षण भगवान भोलेनाथ का 108 प्रकार की जड़ी-बूटियों से अभिषेक रहा। विभिन्न औषधीय जड़ी-बूटियों एवं पवित्र पूजन द्रव्यों से भगवान शिव का अभिषेक कर सुख-समृद्धि, आरोग्यता, शांति एवं जनकल्याण की मंगलकामना की गई।

पूजन के दौरान 51 यजमान जोड़ों ने पार्थिव शिवलिंग की विधिवत पूजा-अर्चना एवं अभिषेक किया। वैदिक ब्राह्मणों द्वारा किए गए रुद्रपाठ एवं मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से परिवार, समाज और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। पार्थिव शिवलिंगों के विधिवत पूजन एवं महारुद्राभिषेक के पश्चात भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार एवं महाआरती की गई। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान 'नमः शिवाय' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से विद्वानों की नगरी बस्सी गूंजती रही। इस भव्य धार्मिक आयोजन में छोटी काशी बूंदी और विद्वानों की नगरी बस्सी की विद्वत परंपरा का सुंदर संगम देखने को मिला। 21 विद्वान ब्राह्मणों का सान्निध्य, 51 यजमान जोड़ों की सहभागिता तथा 108 जड़ी-बूटियों से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक आयोजन की प्रमुख विशेषताएं रहीं।

महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय मंथन, जयपुर में विशेषज्ञों ने साझा किए नवीन शोध और उपचार के उपाय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी के वूमेन मेंटल हेल्थ स्पेशियलिटी सेक्शन और रिसर्च एजुकेशन एंड सर्विस ट्रस्ट (REAST) और गौतम अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में10वीं वार्षिक राष्ट्रीय महिला मानसिक स्वास्थ्य संगोष्ठी-2026 का आयोजन किया गया। देशभर से मनोचिकित्सकों, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। इस वर्ष की संगोष्ठी का विषय "Invisible Burdens, Visible Strengths: Redefining WomenÓs Mental Health" रखा गया। इसका उद्देश्य महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अनदेखी चुनौतियों को सामने लाना और उनके समाधान पर वैज्ञानिक चर्चा करना रहा।

दिनभर चले विभिन्न सत्रों में डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य, दीर्घकालिक दर्द, किशोरावस्था से रजोनिवृत्ति तक महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, सहायक प्रजनन (Assisted Reproduction), यौन स्वास्थ्य, ट्रॉमा, माइंडफुलनेस, मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और सफल महिलाओं पर बढ़ते मानसिक दबाव जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और नवीन शोध प्रस्तुत किए।

जयपुर की वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. अनीता गौतम ने संगोष्ठी में "महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य में यौन स्वास्थ्य का समावेशः चुनौतियां और अवसर" विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि महिलाओं के संपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य के लिए यौन स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद, जागरूकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समय पर परामर्श और उचित उपचार से महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है।

विशेषज्ञों ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। समय पर पहचान, परिवार का सहयोग, सही परामर्श और वैज्ञानिक उपचार से अधिकांश मानसिक समस्याओं का सफलतापूर्वक इलाज संभव है। संगोष्ठी में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक कलंक को समाप्त करने और जरूरत पड़ने पर बिना संकोच विशेषज्ञ से सलाह लेने का भी संदेश दिया गया।

विशेषज्ञों ने संगोष्ठी में बताया कि लगातार उदासी, चिंता, अनिद्रा या तनाव को सामान्य मानकर नजरअंदाज न करें। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम, योग या ध्यान करें। 7-8 घंटे की पर्याप्त नींद और संतुलित आहार लें। परिवार और मित्रों से खुलकर अपनी भावनाएं साझा करें। सोशल मीडिया का सीमित और संतुलित उपयोग करें। यदि तनाव, अवसाद, घबराहट या व्यवहार में बदलाव दो सप्ताह से अधिक समय तक बना रहे, तो मनोचिकित्सक या क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से परामर्श अवश्य लें। मानसिक बीमारियां उपचार योग्य हैं और समय पर इलाज से सामान्य एवं स्वस्थ जीवन संभव है। संगोष्ठी में शोध पत्र, पोस्टर प्रस्तुति, कार्यशालाएं और पैनल चर्चाएं भी आयोजित की गईं, जिनमें महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने पर विस्तृत मंथन किया गया।

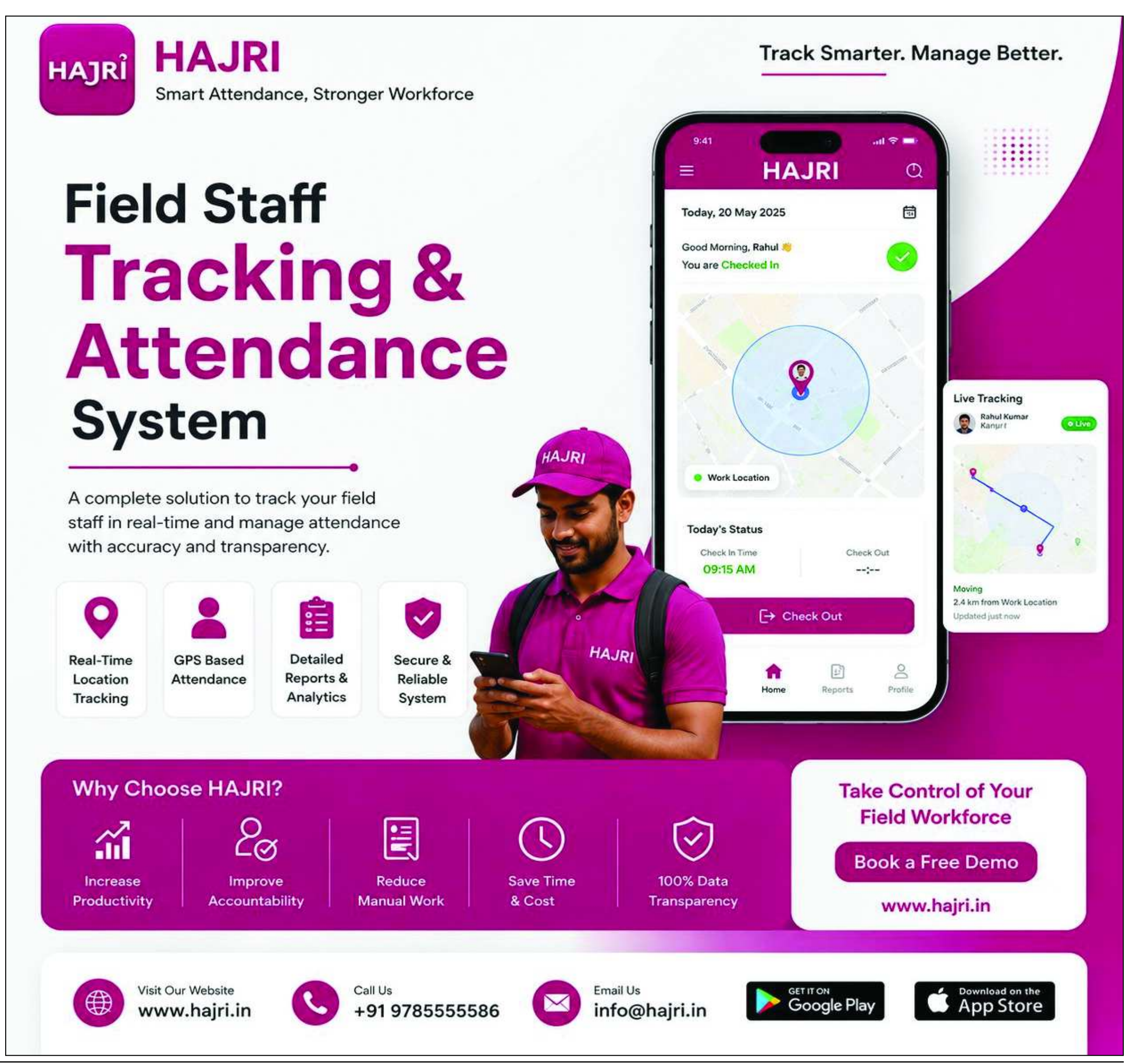

मुख्यमंत्री ने सपत्नी किया दुग्धाभिषेक

जयपुर @ जागरूक जनता। श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर आज माँ राजराजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। देवाधिदेव महादेव की असीम कृपा से राजस्थान निरंतर विकास, वैभव और समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहे तथा प्रत्येक प्रदेशवासी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य और खुशहाली का वास हो, यही कामना है।

राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक आयोजित

आदिवासी क्षेत्रों में मिलेट्स के जरिए बच्चों को दें पोषण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान मॉडल (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) के आधार पर राज्य सरकार प्रदेश में अनुसूचित जनजाति के आर्थिक सशक्तीकरण, सामाजिक सुरक्षा और समग्र उत्थान के लिए काम कर रही है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जनजाति बाहुल्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, आजीविका, कृषि एवं उद्यानिकी, पशुपालन, स्वरोजगार एवं कौशल विकास तथा पर्यटन से संबंधित बजट घोषणाओं एवं योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। मुख्यमंत्री उदयपुर के कृषि महाविद्यालय में राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने पीएम जन-मन योजना का फीडबैक लिया तथा अधिकारियों को प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में आयोजित हो रही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आदिवासी परिवारों तक योजनाओं का पूर्ण लाभ पहुंचाने के लिए भी निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि जनजाति समुदायों के कल्याण के लिए राज्य सरकार पर्याप्त बजट उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने प्रमुख बजट घोषणाओं के संबंध में निर्देश दिए कि पूर्ण गुणवत्ता के साथ विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी पहलों को धरातल पर तेजी से उतारा जाए। उन्होंने आश्रम छात्रावास एवं आवासीय विद्यालयों तथा खेल व सह-शैक्षणिक गतिविधियों के कुशल संचालन करने तथा उदयपुर में बनने वाली देश की प्रथम लैक्रोज अकादमी की बजट घोषणा को भी मूर्त रूप देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां-बाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेल कूद की गतिविधियों से लाभान्वित किया जाए तथा अधिकारी इसकी निरन्तर मॉनिटरिंग भी करें। उन्होंने जनजाति क्षेत्र के विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने एवं ड्रॉप-आउट को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार, अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा विभाग की छात्रवृत्ति योजना एवं कालीबाई भील मेधावी स्कूटी योजना से विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में लाभान्वित करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के जरिए जरूरतमंद युवाओं को भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के समुचित अवसर उपलब्ध करवाए जाएं। उन्होंने कालीबाई भील महिला संबल शिक्षा सेतु योजना के जरिए वंचित महिलाओं एवं बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने तथा लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से अधिक से अधिक परिवारों को जोड़कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जनजाति क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स एवं टेली-मेडिसिन सेवाओं के बेहतर संचालन के निर्देश दिए।

राजस्थान पुलिस का बढ़ा गौरवः एडीजी विशाल बंसल को मिला डायरेक्टर आईबी का प्रशस्ति पत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान पुलिस के लिए गर्व का क्षण है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल को भारत सरकार के इंटेलीजेंस ब्यूरो (IB) के निदेशक द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि पर महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने अपने कार्यालय में एडीजी बंसल को बधाई दी और उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। डाइरेक्टर आईबी द्वारा दिया गया यह सम्मान संवेदनशील मामलों के सफल निष्पादन के साथ प्रदर्शित उत्कृष्ट पेशेवर दक्षता, नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास ला रहे रंग

6 हजार से अधिक ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रभावी नीतियों एवं योजनाओं के फलस्वरूप हर प्रयास सकारात्मक परिणाम की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसी क्रम में जनजातीय क्षेत्रों के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025-26 की तुलना में 2026-27 में जनजातीय क्षेत्रों में 14 हजार 780 की नामांकन वृद्धि के साथ 11 लाख 70 हजार 242 तक पहुंच गया। इसी प्रकार शिक्षा से वंचित बच्चों को पुनः मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 63 लाख 26 हजार घरों का पेपरलेस सर्वे किया गया। जिसमें 6 हजार 229 ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें ब्रिज कोर्स के माध्यम से फिर विद्यालय में प्रवेश दिलाया जा रहा है।

शिक्षा में निवेश से मजबूत हो रही भविष्य की बुनियाद

राजस्थान के जनजातीय अंचल में इस सकारात्मक बदलाव के पीछे राज्य सरकार की दूरदर्शी नीति और शिक्षा में निरंतर बढ़ता निवेश है। राज्य सरकार जनजाति विकास के कुल बजट का 13 प्रतिशत से अधिक हिस्सा (लगभग 164 करोड़ रुपये) शिक्षा पर खर्च कर रही है। साथ ही, 10 नए आश्रम छात्रावास, 2 आवासीय विद्यालय और 1 खेल छात्रावास की स्थापना के लिए 64 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित आवासीय सुविधाएं मिल सकें।

शिक्षा के सफर में विद्यार्थियों को सरकार का प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री की मंशानुसार आर्थिक रूप से अर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की शिक्षा को भी प्राथमिकता दी जा रही है। अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 305 करोड़ रुपये व्यय कर 1 लाख 53 हजार 152 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया। वहीं, कालीबाई भील मेधावी स्कूटी योजना के माध्यम से प्रतिभाशाली छात्राओं को स्कूटी उपलब्ध कराकर उच्च शिक्षा की राह को भी आसान बनाया जा रहा है। जनजातीय विद्यार्थियों के लिए आवासीय शिक्षा का भी मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। प्रदेश में 1 लाख 48 हजार 808 प्रवेश क्षमता वाले 3 हजार 821 आश्रम छात्रावास, खेल छात्रावास, कॉलेज छात्रावास, बहुउद्देशीय छात्रावास, आवासीय विद्यालय, मॉडल पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल, एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल तथा मां-बाड़ी डे केयर केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इससे दूरस्थ गांवों के बच्चों को भी शिक्षा की मुहिम से जोड़ा जा रहा है।

जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा का मजबूत आधार तैयार करने के लिए वर्तमान में 9 हजार 817 विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इनमें 5 हजार 866 प्राथमिक, 1 हजार 664 उच्च प्राथमिक, 2 हजार 146 उच्च माध्यमिक तथा 141 संस्कृत विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों में 11 लाख 81 हजार 100 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

29 हजार से अधिक ड्रॉप आउट बालिकाएं एवं महिलाएं शिक्षा से जुड़ीं

ड्रॉप आउट बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए कालीबाई भील महिला संबल शिक्षा सेतु योजना संचालित की जा रही है। दिसंबर 2023 से जून 2026 तक 29 हजार से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शहरी सेवा शिविर बन रहे गुड गवर्नेंस का प्रतीक

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित हो रहे शहरी सेवा शिविर गुड गवर्नेंस के प्रतीक के रूप में उभर रहे है। इन शिविरों के माध्यम से समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करते हुए लाखों लोगों को राहत पहुंचाई जा रही हैं।

प्रदेशभर में 12 जून से 30 जुलाई तक शहरी क्षेत्रों में आयोजित कुल 11 हजार 479 शिविरों के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाओं और योजनाओं से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई। इस अवधि के दौरान 53 हजार 78 पट्टे जारी, 18 हजार 4 नाम हस्तांतरण तथा 8 हजार 644 भवन मानचित्र प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं, 1 लाख 32 हजार 722 जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण, 20 हजार 900 पीएम स्वनिधि ऋण आवेदन तथा 48 हजार 504 विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा शहरों को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने की दिशा में इन शिविरों में 85 हजार 767 स्ट्रीट लाइटों का सुधार, 27 हजार 284 नई स्ट्रीट लाइट, 34 हजार 675 कचरा संभावित केंद्रों का उन्मूलन किया गया। शिविरों में पालनहार योजना में 15 हजार 500 सत्यापन किए गए हैं। राज्य सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हो तथा कोई भी पात्र इससे वंचित नहीं रहे।

पांचवें चरण में होने वाले विकास कार्यों की दी जायेगी जानकारी

84 शहरों में जनप्रतिनिधियों, पूर्व पार्षदों, प्रबुद्धजनों, मीडिया एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स के लिए होगा कंसल्टेशन मीटिंग्स 'आरयूआईडीपी संवाद'

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) अपने पांचवें चरण में साढ़े नौ हज़ार करोड़ से होने वाले कार्यों पर 84 शहरों में जनप्रतिनिधियों, पूर्व पार्षदों, प्रबुद्धजनों, मीडिया एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स के लिए कंसल्टेशन मीटिंग्स "आरयूआईडीपी संवाद" का आयोजन करेगा। आरयूआईडीपी संवाद कार्यक्रमों का आयोजन 5 अगस्त से 11 अगस्त 2026 तक 84 शहरों में किया जायेगा जिसमें पंचम चरण में होने वाले कार्यों की जानकारी दी जायेगी तथा साथ ही प्रतिभागियों से सुझाव व फीडबैक लिया जायेगा।

परियोजना निदेशक हरिमोहन मीना ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य अत्यधिक शहरीकृत शहरों एवं उनके सैटेलाइट नगरों का विकास करना है ताकि उनके विस्तार एवं अनियोजित परिधि का प्रबंधन करके, उन्हें रहने योग्य बनाया जा सके जो पर्यावरण के अनुकूल हो और वहाँ स्वस्थ समुदायों का विकास हो सके। उन्होंने बताया कि परियोजना के माध्यम से राज्य के प्रमुख शहरों में अधोसंरचना के अंतराल अथवा कमी को दूर करते हुए सेवा गुणवत्ता में सुधार एवं पर्यावरणीय निरंतरता को बढ़ावा देकर समग्र अपशिष्ट जल प्रबंधन सुनिश्चित किया जाता है।

अपशिष्ट जल प्रबंधन के कार्यों के अतिरिक्त अन्य कार्यों में बाढ़ प्रबंधन, ड्रेनेज कार्य, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, विरासत संरक्षण एवं पर्यटन तथा कमाण्ड एंड कंट्रोल सेंटर, शहरी गतिशीलता तथा आवश्यकतानुसार कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट सम्मिलित हैं। परियोजना इस लक्ष्य पर आधारित है कि प्रदेश के शहरों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित तथा स्थायी आधार प्रदान करते हुए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों की पूर्ति में योगदान करने के साथ-साथ सरकार के विकसित भारत-2047 तथा राजस्थान सरकार के विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

84 शहरों का होगा विकास, शहरों को स्मार्ट व सस्टेनेबल बनाने पर रहेगा फोकस

मीना ने बताया कि राज्य सरकार 84 शहरों में पांचवें चरण के कार्य जल्द ही शुरु करने की तैयारी कर रही है। 9500 करोड़ की लागत से शहरों को स्मार्ट व सस्टेनेबल बनाया जायेगा। इस चरण में अपषिष्ट जल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शहरी यातायात सुधार, बाढ़ प्रबंधन, जल निकासी कार्य, विरासत संरक्षण एवं पर्यटन, कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर आदि क्षेत्रों में प्रदेश के शहरों का विकास किया जायेगा। इस चरण का लाभ अत्यधिक शहरीकरण वाले शहरों और उनके सेटेलाइट शहरों सहित 84 नगरीय निकायों की समस्त शहरी जनता को मिलेगा। राज्य सरकार की बजट घोषणा 2025-26 के अनुरूप आरयूआईडीपी का पंचम चरण प्रक्रियाधीन है जिसके अंतर्गत एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा रूलिप और विश्व बैंक द्वारा 'सूत्र' वित्तपोषित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजना को 'राजस्थान अरबन लिवेबिलिटी इम्प्रूवमेन्ट प्रोजेक्ट' नाम दिया गया है जिसकी लागत 6009 करोड़ रुपये है तथा विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजना 'सस्टेनेबल अरबन ट्रांस्फोर्मेशन ऑफ राजस्थान एक्सेलरेटेड' (सूत्रा) की लागत 3492 करोड़ है।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र सरकार को बच्चों की चिंता

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के 1.08 लाख से अधिक स्कूलों और उनके 50 मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री, मुफ्त वितरण और विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का साहसिक और अनुकरणीय फैसला किया है। यह फैसला बच्चों के स्वस्थ भविष्य की दिशा में उठाया गया आवश्यक कदम कहा जाएगा। समोसा, वड़ा पाव, चिप्स, डीप-फ्राइड स्नैक्स, कोल्ड ड्रिंक्स और चॉकलेट जैसे ज्यादा वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों को स्कूलों की सीमा से बाहर करके सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बच्चों का स्वास्थ्य उसकी प्राथमिकता में है। महाराष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कदम बढ़ाकर अन्य राज्यों के सामने भी नजीर पेश की है। बड़ा सवाल यह है कि देश के अन्य राज्य इस दिशा में कब तत्परता दिखाएंगे? क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने एक रिपोर्ट जारी कर इस बारे में पहले ही चेतावनी दे दी है। दोनों संस्थानों के अध्ययन में पाया गया कि पिछले 14 साल में देश में जंक फूड की खपत 150 फीसदी बढ़ गई है। इसकी बड़ी वजह बच्चों में इसका बढ़ता आकर्षण है और उसके पीछे जंक फूड की सहज उपलब्धता और बच्चों को लुभाने वाले विज्ञापन हैं। बचपन की सबसे बड़ी पूंजी अच्छी सेहत होती है, लेकिन आधुनिक जीवनशैली के कारण बच्चों की थाली से पारंपरिक और पौष्टिक भोजन गायब होता जा रहा है। इसका परिणाम कम उम्र में ही बच्चों में बढ़ते मोटापे, बाल-मधुमेह और जीवनशैली से जुड़ी अन्य गंभीर बीमारियों के रूप में सामने आ रहा है। नीति आयोग और यूनिसेफ जैसी संस्थाओं ने अनुमान जताया है कि यदि बच्चों के आहार पर ध्यान नहीं दिया गया तो 2030 तक देश के 11 फीसदी बच्चे मोटापे और उससे होने वाली बीमारियों के शिकार हो जाएंगे। ऐसे में स्कूलों के भीतर और आसपास 'ईट राइट स्कूल' अभियान को सख्ती से लागू करने, खाने-पीने की चीजों के लिए एफएसएसएआइ लाइसेंस अनिवार्य करने और खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक नियुक्ति के निर्देश अत्यंत व्यावहारिक हैं। हालांकि, इस नीति की सफलता कागजी नियमों से ज्यादा धरातल पर इसके क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। 50 मीटर के दायरे में रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों पर लगातार निगरानी रखना और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती होगी। साथ ही, इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि केवल पाबंदी लगा देना ही काफी नहीं है। बच्चों को स्वस्थ विकल्पों की ओर आकर्षित करना भी उतना ही जरूरी है। जब तक स्कूल कैंटीन में स्वादिष्ट और पौष्टिक विकल्प उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक बच्चों को जंक फूड से पूरी तरह दूर रख पाना कठिन होगा। देश को यदि अपनी युवा आबादी के स्वास्थ्य की रक्षा करनी है तो केंद्र और सभी राज्य सरकारों को मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों में जंक फूड के खिलाफ सख्त नीतियां बनानी होंगी। इसे एक जन-आंदोलन की तरह चलाया जाना चाहिए।

ऐसे में स्कूलों के भीतर और आसपास 'ईट राइट स्कूल' अभियान को सख्ती से लागू करने, खाने-पीने की चीजों के लिए एफएसएसएआइ लाइसेंस अनिवार्य करने और खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक नियुक्ति के निर्देश अत्यंत व्यावहारिक हैं।

भ्रष्टाचार का दलदल : क्या नैतिक नेतृत्व का संकट लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके प्राकृतिक संसाधनों, सैन्य सामर्थ्य या आर्थिक विकास में नहीं, बल्कि उसके सार्वजनिक जीवन की नैतिकता में निहित होती है। जब शासन व्यवस्था में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही कमजोर होने लगती है, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा भले ही कायम रहे, उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है। आज भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यही है कि भ्रष्टाचार केवल कुछ व्यक्तियों का अपराध नहीं रह गया है, बल्कि कई क्षेत्रों में यह एक ऐसी प्रवृत्ति बन चुका है जिसने व्यवस्था पर जनता के विश्वास को गहरी चोट पहुँचाई है।

देश में समय-समय पर सामने आए विभिन्न घोटाले, रिश्वतखोरी के मामले, सरकारी योजनाओं में अनियमितताओं के आरोप, अवैध खनन, भूमि घोटाले और भर्ती परीक्षाओं में धांधली जैसे प्रकरण यह संकेत देते हैं कि भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट भी है। यही कारण है कि आम नागरिक के मन में यह प्रश्न उठता है कि क्या सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों का ह्रास हमारी सबसे बड़ी राष्ट्रीय समस्या बन चुका है?

भारत ने डिजिटल शासन, ऑनलाइन सेवाओं, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और ई-टेंडरिंग जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से भ्रष्टाचार कम करने के अनेक प्रयास किए हैं। इन सुधारों का सकारात्मक प्रभाव भी दिखाई देता है। फिर भी अंतरराष्ट्रीय संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई) 2025 में भारत 182 देशों में 91वें स्थान पर रहा। यह स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में कुछ बेहतर अवश्य है, किंतु यह भी संकेत देती है कि सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर अभी लंबी दूरी तय करनी बाकी है।

भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि यह गरीब और ईमानदार नागरिक को सबसे अधिक नुकसान पहुँचाता है। जब किसी पात्र व्यक्ति को उसका अधिकार रिश्वत दिए बिना नहीं मिलता, जब सरकारी योजनाओं का लाभ बीच में ही कहीं गायब हो जाता है, जब योग्य अभ्यर्थी की जगह धन या प्रभाव रखने वाला व्यक्ति अवसर प्राप्त कर लेता है, तब केवल एक व्यक्ति नहीं हारता, बल्कि पूरा लोकतंत्र कमजोर होता है। इससे युवाओं में यह संदेश जाता है कि सफलता का मार्ग परिश्रम नहीं, बल्कि पहुँच और पैसे से होकर गुजरता है। यह सोच किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत खतरनाक है।

जिस दिन सार्वजनिक जीवन में पद को अधिकार नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व माना जाने लगेगा, उसी दिन भारत भ्रष्टाचार के दलदल से बाहर निकलकर सुशासन की नई पहचान स्थापित कर सकेगा। तभी "विकसित भारत" का सपना वास्तव में जनविश्वास और नैतिकता की मजबूत नींव पर खड़ा होगा।

महात्मा गांधी ने कहा था, "साधनों की पवित्रता के बिना साध्य की पवित्रता संभव नहीं।" यह विचार आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। यदि शासन का उद्देश्य जनकल्याण है, तो उस तक पहुँचने के साधन भी पूर्णतः नैतिक और पारदर्शी होने चाहिए। दुर्भाग्य से आज अनेक अवसरों पर राजनीति में सेवा की भावना के स्थान पर सत्ता को विशेषाधिकार मानने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। दूसरी ओर नौकरशाही के कुछ हिस्सों में भी जनसेवा की अपेक्षा व्यक्तिगत लाभ को प्राथमिकता देने के आरोप सामने आते रहते हैं। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि देश में अनेक ईमानदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी आज भी पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं और उन्हीं के कारण व्यवस्था चल रही है।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं से आह्वान किया था कि चरित्र ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूँजी है। यदि राष्ट्र का नेतृत्व और प्रशासन चरित्रवान होगा, तो कानूनों की संख्या कम होने पर भी समाज सुचारु रूप से चलेगा। किंतु यदि नैतिकता समाप्त हो जाए, तो कठोर से कठोर कानून भी भ्रष्टाचार को समाप्त नहीं कर सकते। इसलिए समस्या केवल कानून की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिक शिक्षा की भी है। भ्रष्टाचार का एक गंभीर आर्थिक पक्ष भी है। जब सार्वजनिक धन का दुरुपयोग होता है, तब सड़कें घटिया बनती हैं, अस्पतालों में संसाधनों की कमी रहती है, विद्यालयों की गुणवत्ता गिरती है और विकास परियोजनाएँ समय पर पूरी नहीं हो पातीं। इसका सीधा प्रभाव निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास पर पड़ता है। अंततः इसकी कीमत सामान्य करदाता को चुकानी पड़ती है। आज आवश्यकता केवल भ्रष्टाचार विरोधी भाषणों की नहीं, बल्कि संस्थागत सुधारों की है। लोकसेवकों की जवाबदेही सुनिश्चित हो, सरकारी खरीद और ठेकों की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बने, शिकायतकर्ताओं और व्हिसलब्लोअर्स को प्रभावी सुरक्षा मिले, न्यायिक प्रक्रिया तेज हो तथा दोषियों को समयबद्ध दंड मिले। साथ ही राजनीतिक दलों की वित्तीय पारदर्शिता और चुनावी सुधारों पर भी गंभीरता से कार्य करना होगा। जब तक राजनीति और प्रशासन दोनों में उत्तरदायित्व की संस्कृति विकसित नहीं होगी, तब तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान अधूरा रहेगा। नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यदि समाज स्वयं छोटे-छोटे लाभ के लिए नियमों को तोड़ने, अनुचित सिफारिश कराने या रिश्वत देकर काम कराने को सामान्य मान ले, तो भ्रष्टाचार की जड़ें और गहरी होती जाती हैं। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष सरकार और न्यायालयों के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का भी दायित्व है। भारत आज विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि इस विकास यात्रा को स्थायी और न्यायपूर्ण बनाना है, तो सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को सर्वोच्च मूल्य बनाना होगा। आर्थिक प्रगति तभी सार्थक होगी जब उसके साथ नैतिक प्रगति भी जुड़ी हो। लोकतंत्र की वास्तविक सफलता चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतने में निहित है। भ्रष्टाचार का अंत केवल नए कानूनों से नहीं होगा; उसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता, त्वरित न्याय, सक्रिय नागरिक समाज और नैतिक शिक्षा—इन पाँचों का समन्वय आवश्यक है।

ये लेखक के अपने विचार है

प्रदेश की हरियाली को लील रही जलकुंभी जैसी विदेशी प्रजाति

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राहुल भारद्वाज
पत्रकार
@jagrukjanta.net

राजस्थान की धरती ने हमेशा पानी की हर बूंद और हर पेड़ की कीमत समझी है। यही कारण है कि यहां हरियाली को जीवन का पर्याय माना जाता है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस पेड़ को कभी हरियाली बढ़ाने, रेगिस्तान की रेत रोकने और पर्यावरण संरक्षण के नाम पर लगाया गया था, वही आज प्रदेश की जैव विविधता, जल संसाधनों और वन्य जीवन का सबसे बड़ा 'शत्रु' बन चुका है। विलायती बबूल (प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा) और दूसरी ओर जलकुंभी जैसी विदेशी आक्रामक प्रजातियां राजस्थान के पर्यावरण पर ऐसे 'हरे आक्रमण' का प्रतीक बन गई हैं, जो दिखाई तो हरियाली देती हैं, लेकिन भीतर से प्रकृति का दम घोंट रही हैं। पर्यावरण की असली ताकत पेड़ों की संख्या नहीं, बल्कि उसकी जैव विविधता होती है। यदि एक विदेशी प्रजाति सैकड़ों देशी पौधों का अस्तित्व निगल जाए, चरागाह खत्म कर दे, भूजल सोख ले और वन्यजीवों के लिए संकट पैदा कर दे, तो वह हरियाली नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी का विनाश है। यही कारण है कि आज जूलीफ्लोरा राजस्थान के जंगलों, अरावली, टाइगर रिजर्व और शहरों तक में फैलकर प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ रहा है। इस संकट की सबसे बड़ी सीख यह है कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने का नाम नहीं है। दशकों पहले बिना दीर्घकालिक वैज्ञानिक अध्ययन के विदेशी प्रजातियों को बढ़ावा देने का निर्णय आज भारी पड़ रहा है। यह वही भूल है, जिसका खामियाजा अब वन विभाग, किसान, पशुपालक और वन्यजीव सभी भुगत रहे हैं।

सरकार ने 'विलायती बबूल हटाओ-चारागाह बचाओ अभियान' शुरू किया है, लेकिन इस चुनौती का आकार इतना बड़ा है कि केवल औपचारिक अभियान पर्याप्त नहीं होंगे। जरूरत मिशन मोड में काम करने की है। ड्रोन और जीआइएस आधारित मैपिंग, वैज्ञानिक तरीके से जड़ों सहित उन्मूलन, हटाए गए क्षेत्रों में तुरंत देशी घास और स्थानीय वृक्षों का रोपण तथा ग्राम पंचायतों से लेकर स्कूलों तक जनभागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

इसी तरह जलाशयों में फैलती जलकुंभी भी पानी का दम घोंट रही है। एक ओर विलायती बबूल जमीन का पानी पी रहा है, दूसरी ओर जलकुंभी तालाबों और झीलों की सांस रोक रही है। यदि इन दोनों आक्रामक प्रजातियों पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो प्रदेश का जल संकट और गहरा होगा, चरागाह सिकुड़ेंगे और जैव विविधता को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।

एक देश, अनेक शिक्षा प्रणालियाँ!

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सी.एम. जैन
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारत को अक्सर "विविधताओं का देश" कहा जाता है। भाषाएँ अलग हैं, पहनावे अलग हैं, संस्कृतियाँ अलग हैं और जीवन-शैली भी अलग-अलग है। यही विविधता भारत की सबसे बड़ी शक्ति मानी जाती है। लेकिन एक प्रश्न ऐसा है, जिसे हमने शायद कभी गंभीरता से पूछने की कोशिश ही नहीं की—क्या शिक्षा भी विविधता का विषय होनी चाहिए, या समान अवसर का? आज भारत का हर बच्चा चाहे राजस्थान में जन्मा हो, बिहार में, गुजरात में, तमिलनाडु में या असम में—वह अंततः उसी भारत का नागरिक है। आगे चलकर वही बच्चा UPSC देगा, वही JEE और NEET देगा, वही सेना में भर्ती होगा, वही न्यायपालिका, प्रशासन, विज्ञान, उद्योग और राजनीति में अपनी जगह बनाएगा। राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ सबके लिए समान हैं, लेकिन उन प्रतियोगिताओं तक पहुँचने का रास्ता सबके लिए समान नहीं है। यही भारतीय शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा विरोधाभास है।

संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 21 प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का अधिकार देता है। नीति-निर्देशक तत्व राज्य से अपेक्षा करते हैं कि वह समान अवसर उपलब्ध कराए। लेकिन व्यवहार में भारत की शिक्षा व्यवस्था अनेक परतों में बँटी हुई दिखाई देती है। कहीं राज्य बोर्ड, कहीं CBSE, कहीं ICSE, कहीं अलग-अलग क्षेत्रीय पाठ्यक्रम। परिणाम यह है कि एक ही कक्षा में पढ़ने वाले दो बच्चों का शैक्षणिक आधार केवल इसलिए अलग हो सकता है क्योंकि उनका जन्म अलग-अलग राज्यों में हुआ। यहाँ प्रश्न यह नहीं है कि राज्यों को अपनी भाषा, संस्कृति या इतिहास पढ़ाने का अधिकार होना चाहिए या नहीं। होना चाहिए, और अवश्य होना चाहिए। भारत की विविधता का सम्मान लोकतंत्र की मूल भावना है। प्रश्न यह है कि क्या गणित, विज्ञान, संविधान, नागरिक शास्त्र, अर्थव्यवस्था, डिजिटल साक्षरता और बुनियादी जीवन-कौशल जैसे विषयों का न्यूनतम स्तर भी राज्य-राज्य में अलग होना चाहिए? जब राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षा में प्रश्नपत्र समान होता है, तब तैयारी की बुनियाद अलग क्यों है? यदि अंतिम दौड़ एक ही ट्रैक पर होनी है, तो शुरुआती रेखा अलग-अलग क्यों खींची गई है? शिक्षा विशेषज्ञ वर्षों से इस ओर ध्यान दिलाते रहे हैं कि भारत में केवल पाठ्यक्रम ही नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता भी अत्यंत असमान है। कहीं प्रयोगशालाएँ हैं, कहीं केवल नाम मात्र की। कहीं प्रशिक्षित शिक्षक हैं, कहीं वर्षों से रिक्त पद। कहीं डिजिटल बोर्ड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रयोगशालाएँ हैं, तो कहीं बच्चों के पास बैठने के लिए पर्याप्त बेंच तक नहीं। ऐसे में केवल "समान परीक्षा" की बात करना, समान अवसर की गारंटी नहीं बन जाता। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा सुधार की दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। बुनियादी साक्षरता, कौशल विकास, बहुभाषिकता और लचीले पाठ्यक्रम जैसे विचार स्वागतयोग्य हैं। समस्या केवल पाठ्यक्रम की नहीं है। किताबें अलग, उनकी कीमतें अलग, निजी विद्यालयों की फीस अलग, यूनिफॉर्म की व्यवस्था अलग, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता अलग। कई स्थानों पर अभिभावकों को विद्यालय द्वारा निर्धारित विशेष दुकानों से ही किताबें और यूनिफॉर्म खरीदनी पड़ती हैं। शिक्षा धीरे-धीरे अधिकार से अधिक बाज़ार का विषय बनती दिखाई देती है। यदि दो समान आय वाले परिवार अलग-अलग राज्यों में रहते हैं, तो संभव है कि उनके बच्चों की शिक्षा पर होने वाला खर्च और मिलने वाली गुणवत्ता दोनों अलग हों। यहाँ एक महत्वपूर्ण आपत्ति भी सामने आती है। कई लोग कहते हैं कि भारत जैसा विविध देश एक समान शिक्षा व्यवस्था को स्वीकार नहीं कर सकता। राज्यों की अपनी ऐतिहासिक, भाषाई और सांस्कृतिक आवश्यकताएँ हैं। यह तर्क महत्वपूर्ण है और इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। वास्तव में किसी भी सुधार का उद्देश्य राज्यों की पहचान समाप्त करना नहीं होना चाहिए। इसीलिए समाधान "One Nation, One Syllabus" नहीं, बल्कि One Nation, One Minimum Education Standard" हो सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि तमिलनाडु राजस्थान का इतिहास पढ़ाए या राजस्थान के विद्यालय मलयालम पढ़ाएँ। इसका अर्थ यह है कि देश का प्रत्येक बच्चा, चाहे वह किसी भी बोर्ड में पढ़ता हो, कम-से-कम गणित, विज्ञान, संविधान, नागरिक शास्त्र, भारतीय इतिहास की मूल रूपरेखा, अर्थव्यवस्था, डिजिटल साक्षरता, पर्यावरण और जीवन-कौशल का एक समान राष्ट्रीय स्तर प्राप्त करे।

कविता

फलीभूत

संगीता कुमारी
कवयित्री
@jagrukjanta.net

ईच्छाएं जन्म लेती हैं
तभी सृष्टि की रचना
होती है
प्रेम आधार बनता है
ईच्छाएं पेड़ बनती हैं
जीवन फलीभूत होता
है
जीवन हर तरफ हरा
भरा दिखता है
फिर भी ना जाने क्यों
कुछ कसक
अंत तक बनी रहती हैं
मरने वाले से आखिरी ईच्छा पूछी जाती है
वह ईच्छा पूरी भी की जाती है
मगर वह आखिरी नहीं
अनेक ईच्छाओं भरी टोकरी से
कोई एक ईच्छा बता पाता है
अनेक ईच्छाओं की टोकरी अपने संग
अनंत यात्रा पर ना जाने कहाँ ले जाता है...

नरोरा एटॉमिक पॉवर स्टेशन, बुलंदशहर

अकेला

लाचार दिल रिश्तों में अनबन देखता रहा,
ताउम्र वो ख्वाहिशों का दमन देखता रहा।
****
दिल में वेदना का समुद्र हिलौरे लेता रहा,
दिल सच्चे रिश्तों का हनन देखता रहा।
****
एक माला में पिरोना चाहा जब रिश्तों को,
स्वार्थी रिश्तों को होते दफन देखता रहा।
****
वक्त आने पर काम न आया कोई भी,
झूठे वादों का मैं कफन देखता रहा।
****
रिश्तों में विश्वास के गुल खिला करते थे
कभी, आज 'सुमन' वो उजडा हुआ चमन
देखता रहा।

ओपिनियन : तकनीकी सामंतवाद का खतरा

क्या अब देशों की सरकारों से भी ताकतवर हो रही हैं कॉरपोरेट कंपनियां?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. संजय बैरवा
प्राकृतिक चिकित्सक
@jagrukjanta.net

जैसे-जैसे दुनिया अलग-अलग देशों के छोटे और संकरे गुटों में बंटती जा रही है, यह खतरा खड़ा हो गया है कि राज्य से परे कॉरपोरेट हित वैश्विक निर्णयों पर हावी होने लगेंगे। कई तरह के व्यवधानों के इस दौर में प्रौद्योगिकी पर संप्रभु नियंत्रण और ऐसी भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण का चलन है, जिन पर भरोसा किया जा सकता है।

एक सीमा तक यह अच्छी बात है किंतु प्रौद्योगिकी पर संप्रभु नियंत्रण का अर्थ यह भी है कि इन प्रौद्योगिकियों का निर्माण करने वाले ताकतवर केंद्रों को और भी बड़ा तथा अधिक शक्तिशाली बनने दिया जाएगा। अगर यह संप्रभु शक्ति के लिए इतना जरूरी है तो क्या राष्ट्रीय सरकारें उनकी शक्ति कम करने का प्रयास नहीं करेंगी? अब हम उस निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं, जहां कॉरपोरेट शक्तियां राज्य की शक्ति के बराबर पहुंच सकती हैं या उनसे भी बड़ी हो सकती हैं।

हालिया अतीत में हमने देखा है कि कैसे अमेरिका उन्न चिप्स और मिथॉस जैसे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स को दूसरे देशों तक पहुंचने से रोकने का प्रयास किया। लेकिन इन फैसलों में जल्द ही बदलाव करना पड़ा क्योंकि वैश्विक प्रभुत्व की चाह में कोई भी देश बुनियादी वाणिज्यिक हितों के साथ समझौता नहीं कर सकता। सत्ता पर कम्युनिस्ट पार्टी के एकाधिकार वाले चीन को जैसे ही लगा कि अलीबाबा की ताकत उसके नियंत्रण के परे चली गई है, उसने फौरन अलीबाबा के पर कतर दिए। लेकिन चीन भी अपनी तकनीकी कंपनियों की वैश्विक ताकत कभी खत्म नहीं होने देगा। अलीबाबा के जैक मा को सार्वजनिक जीवन से जबरदस्ती गायब करके सख्त संदेश जरूर दिया गया होगा मगर अलीबाबा को खत्म नहीं होने दिया गया। भारत में भी 'अदाणी और अंबानी' की ताकत पर तमाम सियासी बयानबाजी के बावजूद यह कल्पना करना मुश्किल है कि वे टूट सकते हैं क्योंकि वे उन चुनिंदा समूहों में शामिल हैं, जो दुनिया की आला कंपनियों के सामने टिके रह सकते हैं। कंपनियों की ताकत में कमी राज्य की किसी कार्रवाई से होने के बजाय परिवारों के अंदरूनी झगड़ों से होने का आशंका ज्यादा होती है क्योंकि कई बार उत्तराधिकारी अपनी-अपनी कंपनियां चलाना चाहते हैं। पश्चिम में पारिवारिक कारोबार भारत के मुकाबले कम हैं और वहां कॉरपोरेट ताकत उन मुख्य कार्य अधिकारियों (सीईओ) और निदेशक मंडलों के पास चली गई हैं, जिनका चुनाव नहीं होता। जब दुनिया राजनीति और अर्थशास्त्र में नई शक्ति व्यवस्थाओं के अनुरूप ढल रही है तब किसी भी बड़ी कंपनी को एक सीमा से ज्यादा नहीं रोका जा सकता। बल्कि कंपनियां ही सरकारों पर ताकत दिखाएंगी, अमेरिका पर भी। इसका अर्थ है कि एमेजॉन, ऐपल, अल्फाबेट (गूगल), मेटा, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया और टेस्ला/स्पेसएक्सज जैसी बड़ी कंपनियों का अमेरिकी सरकार और वॉल स्ट्रीट पर हमेशा भारी रुतबा होगा। इन कंपनियों में जल्द ही ऐंथ्रॉपिक और ओपनएआई जैसी बड़ी कंपनियों का नाम भी जुड़ सकता है, जिनका मूल्यांकन 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने वाला है और जो बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही हैं। ओपनएआई कमाई और मूल्यांकन आदि में ऐंथ्रॉपिक से पीछे क्यों न रह जाए, उसे कभी विफल नहीं होने दिया जाएगा। उसे बचा लिया जाएगा बल्कि मजबूत कंपनियों में उसका विलय भी कराया जा सकता है क्योंकि उसमें बहुत ज्यादा रकम दांव पर लगी है। यह तस्वीर काफी समय से उभर रही है, डॉनल्ड ट्रंप के आने से पहले भी, जिनकी अराजक नीतियों से तकनीकी राष्ट्रवाद का उदय तेज हो रहा है। ग्रीस के वित्त मंत्री रहे यानिस वरूफाकिस आदि ने जिस 'तकनीकी सामंतवाद' शब्द को लोकप्रिय बनाया था, उसका अर्थ यह है कि संप्रभुता अब सरकारों के पास ही नहीं रह गई है। वह भारीभरकम तकनीकी प्लेटफॉर्मों और कंपनियों तक पहुंच गई है, जो मोबाइल फोन से लेकर चिप्स और इंटरनेट तक लगभग हर मानवीय गतिविधि पर हावी हैं।

जरा सोचिए कि अमेरिका में एक सदी से भी ज्यादा समय से एकाधिकार रोधी कानून मौजूद है मगर वहां कितनी बड़ी एंटी ट्रस्ट कार्रवाई सफल हो पाई हैं? कॉरपोरेट ताकत के दो बड़े विघटन 1911 और 1984 में हुए। 1911 में स्टैंडर्ड ऑयल को 34 कंपनियों में बांट दिया गया और 1984 में एटीऐंडटी को अपने क्षेत्रीय टेलीफोन कारोबार अलग करने पर मजबूर किया गया। अमेरिकी न्याय विभाग ने 2000 में माइक्रोसॉफ्ट को तोड़ने की कोशिश की मगर अपने एकाधिकारवादी तरीकों में बदलाव पर रजामंद होकर कंपनी उस झटके से बच गई। इस समय गूगल, एमेजॉन और ऐपल के खिलाफ एंटी ट्रस्ट कार्रवाई चल रही हैं मगर इस बात की आशंका कम है कि उनकी कॉरपोरेट ताकत पर ज्यादा कैंची चलाई जाएगी। कायदे में ऐसी कार्रवाई अमेरिका और चीन से शुरू होनी चाहिए। लेकिन अगर वे खुद को जी2 (दो देशों का समूह) मानने लगते हैं तो इस बात की संभावना ज्यादा है कि वे अपने घर की कंपनियों के बजाय जी2 से बाहर के देशों में ताकतवर तकनीकी कंपनियों का कद कम करने के लिए मिलीभगत करें। यह सोचना भी कठिन है कि अमेरिका गूगल, एमेजॉन, ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा या स्पेसएक्स यानी मैग-7 को उस तरह तोड़ेगा, जैसे चीन बायडू, अलीबाबा, टेनसेंट या शाओमी के साथ किया। जरा सोचिए कि केवल एक कंपनी का कितनी जगह दबदबा है। सर्च बाजार के 90 प्रतिशत और ऐंड्रॉयड, क्रोम और गूगल मैप्स के 60-70 प्रतिशत पर गूगल का अधिकार है। ज्यादा विवेक वाली दुनिया में गूगल (या इसकी मूल कंपनी अल्फाबेट) को कम से कम चार या पांच अलग-अलग कंपनियों में बांटा जाना चाहिए था और एमेजॉन को भी इतनी ही कंपनियों में। किंतु राजनीतिक शक्ति के विखंडन के इस दौर में तकनीकी सामंतवाद के खिलाफ देशों की एकजुट कार्रवाई की गुंजाइश घट रही है। तकनीकी सामंतवाद को तभी सीमित किया जा सकता है, जब प्रमुख शक्तियों के बीच वैश्विक समझौता हो। इन कॉरपोरेट दिग्गजों को तोड़ने के लिए अमेरिका और चीन ही नहीं, एशिया, अफ्रीका, यूरोप और लैटिन अमेरिका की उभरती शक्तियों को भी शामिल करना होगा। लेकिन जब भूराजनीतिक ताकत खुद टूट रही हो तो ऐसा होना असंभव लगता है। जब सामूहिक संप्रभु ताकत दुनिया भर में कंपनियों के आकार पर अंकुश नहीं लगा सके तो वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में तकनीकी सामंतवाद की प्रमुख भूमिका रहेगी चाहे उनके निर्णय नागरिकों को केवल उपभोक्ता बनाकर न छोड़ दें, जिनकी निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन होता रहे।

पंचांग

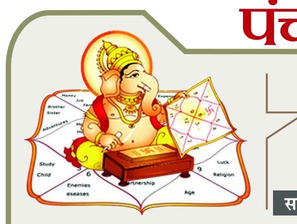

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 5/8/2026

सूर्योदय : 05:57 **सूर्यास्त :** 19:08 **चन्द्रोदय :** 23:08 **चन्द्रास्त :** 11:59 **शक सम्वत :** 1948 पराभव **विक्रम सम्वत :** 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना :** आषाढ़ा **पूर्णिमांत :** श्रावण **सूर्य राशि :** कर्क **चन्द्र राशि :** मेष **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** सप्तमी, 20:38 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** वर्षा **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायन **कलियुग :** 5127 वर्ष।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : अश्विनी, 21:13 तक
योग : शुला, 17:22 तक
प्रथम करण : विष्टि, 09:24 तक
द्वितीय करण : बावा, 20:38 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:20 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:41 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:41 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:09 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:09 पी एम से
अमृत काल	02:16 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:6 ए एम, अगस्त 6 से
रवि योग	05:45 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : गुरु
चन्द्रवास : पूर्व

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:56 - 07:35	उद्वेग : 19:07 - 20:28
अमृत	: 07:35 - 09:14	शुभ : 20:28 - 21:49
काल काल वेला	: 09:14 - 10:52	अमृत : 21:49 - 23:10
शुभ	: 10:52 - 12:31	चर : 23:10 - 00:32
रोग वार वेला	: 12:31 - 14:10	रोग : 00:32 - 01:53
उद्वेग	: 14:10 - 15:49	काल : 01:53 - 03:14
चर	: 15:49 - 17:28	लाभ : 03:14 - 04:35
लाभ	: 17:28 - 19:07	उद्वेग : 04:35 - 05:56

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज सप्तमी

आज कौन सा कार्य करें

सप्तमी : राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

श्रावण, कृष्ण, सप्तमी, 2083 बुधवार, 5 अगस्त - 11 अगस्त, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति मिल सकती है। सन्तान के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी और बच्चों से आपको प्रेम और सम्मान दोनों ही प्राप्त होंगे। आपके विचारों से लोग प्रभावित रहेंगे।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
कार्यक्षेत्र में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ अनबन हो सकती है। लोग आपकी बातों को अत्यन्त गम्भीरता से लेंगे। बुद्धिमान लोगों से मुलाकात हो सकती है।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिये दृढ़ सङ्कल्पित रहेंगे। सहकर्मियों की तुलना में आपका प्रदर्शन विशेष और उत्कृष्ट हो सकता है। किसी बहुमूल्य वस्तु को खरीद सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नयी परियोजनाओं में सफलता देर से मिलेगी। मानसिक स्थिति नकारात्मक हो सकती है। व्यर्थ में अपने शुभचिन्तकों पर सन्देह न करें। धन को लेकर समस्यायें उत्पन्न हो सकती हैं।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निजी समस्याओं का निराकरण होगा। कुछ कठिन काम सरलतापूर्वक अचानक बनने से मन प्रसन्न होगा।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों की बातों में आकर अपना समय बर्बाद न करें। रचनात्मक गतिविधियों में सुखद समय बीतेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
पारिवारिक आयोजन किसी कारणवश टल सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। किसी के उकसावे में आकर काम न करें। अन्य दिनों की अपेक्षा दिन कुछ कमजोर रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
नये व्यावसायिक सम्पर्क विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके विनम्र व्यवहार से विपरीत लिंगी लोग आपसे आकर्षित रहेंगे। नया कोर्स कर रहे छात्रों को नयी जॉब मिल सकती है।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। भोग-विलास का भरपूर आनन्द उठायेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
कारोबार में निवेश करने के लिये बाहरी निवेशक आ सकते हैं। रुके हुये कार्य पुनः प्रारम्भ होंगे। छात्र पढ़ाई में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। बेरोजगार लोगों को नयी नौकरी मिल सकती है।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
आपके व्यक्तित्व में तीव्र आकर्षण रहेगा। इसके कारण आप लोकप्रिय रहेंगे। खर्च करने से पहले बजट का ध्यान अवश्य रखें।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
कार्यक्षेत्र को लेकर मन में उत्साह की कमी देखने को मिलेगी। नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने युवाओं का किया आह्वान

केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान में गूंजा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' का संकल्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत अजमेर एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, किशनगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अजमेर में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 400 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी संबोधन का लाइव प्रसारण देखा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने की। कार्यक्रम आयोजन में माय भारत अजमेर के जिला युवा अधिकारी जयेश मीना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र रणकावत ने कार्यक्रम आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने उपस्थित सभी युवाओं को नशा मुक्त भारत की प्रतिज्ञा दिलाई गई। जिला युवा अधिकारी जयेश मीना ने मुख्यमंत्री के

संदेश तथा प्रधानमंत्री के राष्ट्रव्यापी आह्वान की जानकारी देते हुए कहा कि अजमेर जिले में माय भारत के स्वयंसेवक गांव-गांव एवं शिक्षण संस्थानों में जनजागरूकता अभियान चला रहे हैं। इसके साथ ही माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन नशा मुक्ति प्रतिज्ञा, माय भारत पोर्टल पंजीकरण अभियान तथा विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में युवाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण भी देखा गया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र की ऊर्जा को कमजोर करता है। विकसित भारत के निर्माण के लिए नशामुक्त युवा शक्ति सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने, अपने मित्रों और परिवार को भी इसके प्रति जागरूक करने तथा जनभागीदारी को जनआंदोलन में बदलने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश का युवा नशे से मुक्त होगा, तभी भारत आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में और तेज़ी से आगे बढ़ेगा। मुख्य अतिथि भागीरथ चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका युवा वर्ग है। यदि युवा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, कौशल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में लगाएंगे तो विकसित भारत का सपना निश्चित रूप से साकार होगा। उन्होंने युवाओं से समाज में नशा मुक्ति के संदेशवाहक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी केंद्र होता है। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से नशा मुक्ति जैसे अभियान समाज में व्यापक परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाराणा प्रताप युवा मंडल संस्थापक मयंक सिंह नेगी का विशेष सहयोग रहा।

समाजसेवी व राजनीतिज्ञ समीर मलिक एक्सीलेंस अवार्ड 2026 से सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। समाजसेवा, स्वैच्छिक रक्तदान और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए समाजसेवी, रक्तदाता एवं राजनीतिज्ञ समीर मलिक को एक्सीलेंस अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्त करने के बाद समीर मलिक ने इस उपलब्धि को समाज के प्रति अपने दायित्व और सेवा कार्यों के लिए प्रेरणा बताते हुए कहा कि वे भविष्य में भी जनकल्याण, सामाजिक समरसता और रक्तदान जैसे मानवीय अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान में गूंजा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' का संकल्प

अजमेर @ जागरूक जनता। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत अजमेर एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, किशनगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में लगभग 400 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी संबोधन का लाइव प्रसारण देखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने की। कार्यक्रम आयोजन में माय भारत अजमेर के जिला युवा अधिकारी जयेश मीना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र रणकावत ने कार्यक्रम आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

501 पौधे एवं 251 परिंडों का किया वितरण

अजमेर @ जागरूक जनता। युवा जागृति संगठन एवं पूज्य सिंधी पंचायत गुर्जर घाटी, आमेर रोड के संयुक्त तत्वावधान में हवामहल विधानसभा क्षेत्र स्थित पानों की बगीची, एयरफोर्स स्कूल के पास पर्यावरण संरक्षण एवं जीवदया के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान के तहत 501 पौधों एवं 251 परिंडों का वितरण कर अभियान की शुरुआत की। वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और परिंडे पक्षियों के लिए जीवनदायिनी सेवा का माध्यम हैं। पर्यावरण संरक्षण करना भावी पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य के लिए हमारा कर्तव्य भी है। एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियानों को जनभागीदारी से आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल का संकल्प लेना आवश्यक है। इस अवसर पर जलमहल मंडल अध्यक्ष अमित पारीक, कार्यक्रम के संयोजक दौलत त्रिलोकानी, पार्षद प्रत्याशी हेमपाल मीना सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं बेबीलॉन चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल के मध्य एमओयू हस्ताक्षर

बाल स्वास्थ्य, नैदानिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान होगा सुदृढ़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), जयपुर एवं बेबीलॉन चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, जयपुर के मध्य बाल स्वास्थ्य सेवाओं, शैक्षणिक उत्कृष्टता, नैदानिक प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं समन्वित (इंटीग्रेटिव) स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के संयुक्त निदेशक (प्रशासन) जय प्रकाश शर्मा एवं डॉ. धनंजय मंगल, निदेशक, बेबीलॉन चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर आयोजित हस्ताक्षर समारोह में प्रो. संजीव शर्मा, कुलपति, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, प्रो.अनुपम श्रीवास्तव, प्रो. राकेश नागर, विभागाध्यक्ष, कौमारभृत्य (बाल रोग) विभाग एवं डॉ. स्वाति घाटे, बेबीलॉन चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल सहित दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी एवं

संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत दोनों संस्थान संकाय एवं विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, क्लीनिकल ऑब्जर्वरशिप, बाल एवं नवजात चिकित्सा में व्यावहारिक प्रशिक्षण, संयुक्त नैदानिक अनुसंधान, सतत चिकित्सा शिक्षा (CME) कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, वैज्ञानिक सम्मेलनों, संयुक्त शोध प्रकाशनों तथा साक्ष्य-आधारित समन्वित स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। यह साझेदारी अंतर्विषयक रोगी देखभाल को सुदृढ़ करने, बाल स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार को प्रोत्साहित करने, व्यावसायिक क्षमता विकास को बढ़ावा देने तथा ज्ञान एवं विशेषज्ञता के आदान-प्रदान के माध्यम से समाज के हित में गुणवत्तापूर्ण बाल स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2026

बीमांकन के संबंध में वित्तीय संस्थानों को सख्त निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2026 एवं रबी 2026-27 सत्र की अधिसूचना जारी की जा चुकी है। योजना के प्रावधानों के अनुसार खरीफ 2026 के नामांकन शुरू होने पर वित्तीय संस्थानों का यह दायित्व है कि पात्र किसानों से संबंधित भूमि रिकॉर्ड, फसल का नाम, केसीसी आदि की समस्त जानकारी राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर सही-सही दर्ज की जाए। कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने इस संबंध में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के समन्वयक, अपेक्स बैंक के प्रबंध निदेशक, राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक, सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार तथा सीएससी के राज्य प्रमुख को पत्र जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि विगत वर्षों में प्रायः यह देखा गया है कि बीमाकर्ता वित्तीय संस्थान किसानों की भूमि एवं फसल संबंधी विवरण की जांच किए बिना ही फसल बीमा पॉलिसियां सृजित कर देते हैं।

रूफटॉप फार्मिंग और किचन गार्डनिंग का मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण, 7 अगस्त तक करें आवेदन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहरों में सुरक्षित, रसायनमुक्त और ताजी सब्जियों के उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अंतरराष्ट्रीय उद्यानिकी नवाचार एवं प्रशिक्षण संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर द्वारा पहली बार रूफटॉप फार्मिंग एवं किचन गार्डनिंग विषय पर दो दिवसीय प्रायोगिक (प्रैक्टिकल आधारित) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 22 एवं 23 अगस्त 2026 (शनिवार एवं रविवार) को आयोजित होगा।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को अपने घर की छत, बालकनी या सीमित स्थान में जैविक एवं रसायनमुक्त सब्जियों का उत्पादन करने की तकनीकों से परिचित कराना है, जिससे परिवारों को सुरक्षित एवं पौष्टिक

भोजन उपलब्ध हो सके और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को रूफटॉप गार्डन की स्थापना, किचन गार्डन की वैज्ञानिक तकनीक, जैविक पोषण प्रबंधन, प्राकृतिक कीट एवं रोग नियंत्रण, मौसमी सब्जियों की उन्नत खेती तथा पौधों की देखभाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा।

इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान में आवेदन पत्र भरकर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। आवासीय प्रशिक्षण शुल्क 4,000 रुपये तथा गैर-आवासीय प्रशिक्षण शुल्क 2,000 रुपये निर्धारित किया गया है। आवासीय प्रतिभागियों के लिए ठहरने, जलपान एवं भोजन की समुचित व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पूर्णतः प्रायोगिक अभ्यास कराया जाएगा। प्रशिक्षण के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। एक बैच में अधिकतम 50 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक व्यक्ति आवेदन पत्र द्वृ॥द्वृञ्ष्ट कार्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 7 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति कार्यालय समय में मोबाइल नंबर 8432231322 पर संपर्क कर सकते हैं।

विद्याधर नगर मे शिव महा पुराण कथा

जयपुर @ जागरूक जनता। श्रावण सोमवार से प्लॉट नंबर 4 विद्याधर नगर पुराना DPS के सामने 15 अगस्त तक शिव महा पुराण कथा का आयोजन बीना पारीक (वरिठ समाज सेविका) द्वारा महिला मंडल के सौजन्य से रखा गया। सभी श्रद्धांलु भगत गणों से अनुरोध है कि प्रति दिन प्रातः 11 बजे से सायंकाल 5 बजे तक नित्य लाभ उठाया। श्रद्धालु कथा में भाग लेकर श्रावण माह में शंकर की कृपा का लाभ पुण्य प्राप्त करें। नित्य सायंकाल महा आरती का आयोजन होता है पूर्ण आहुति 15 अगस्त को सायंकाल महा आरती 111 दीपोत्सव के साय: पूर्ण होंगी। प्रसाद के साथ सिद्ध शिव प्रतिमा प्राप्त करें।

भाजपा किसान मोर्चा राजस्थान की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा राजस्थान की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर दी गई हैं। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन एवं प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की सहमति तथा भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर की अनुमति के बाद मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। चौधरी ने इस नई कार्यकारिणी में संगठन को मजबूत करने के लिए कई अहम बदलाव किए हैं।

लोकतांत्रिक जन शक्ति पार्टी ने जन सम्पर्क अभियान, घर घर जाकर मांगा समर्थन

माउंट आबू @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने माउंट आबू नगर पालिका चुनाव के मद्देनजर जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। पार्टी के जिला अध्यक्ष आनंद चौधरी के नेतृत्व में मेन मार्केट की दुकानों पर पार्टी के पंपलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आनंद चौधरी ने कहा कि उनकी पार्टी लोगों की समस्याओं को सुनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य लोगों के मन की बात सुनना है, न कि अपनी बात सुनाना। माउंट आबू मंडल अध्यक्ष सौरव गांगड़िया ने बताया कि पार्टी धरातल पर काम करेगी और लोगों की समस्याएं सुनेगी। उन्होंने घोषणा की कि RLP आगामी नगर पालिका चुनाव में सभी सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी। इस दौरान कारणदीप कोटिया, योगेंद्र सिंह, हरि सिंह, राजाराम चौधरी, वेलाराम, मानसिंह, वीरेंद्र चौधरी, भैरू राम राजपुरोहित, रोहित कुमार, लक्ष्मण सहित कई पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बीकानेर हाउस में 14 अगस्त से 23 अगस्त तक तीज महोत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान सरकार आगामी 14 अगस्त से 23 अगस्त तक बीकानेर हाउस में तीज महोत्सव का आयोजन करेगी। इस कार्यक्रम से राजस्थान की संस्कृति तथा पर्यटन को बढावा मिलेगा। नई दिल्ली में नियुक्त संयुक्त आवासीय आयुक्त रिंकू मीणा यह जानकारी दी।

पुलिस ने ऑनलाइन ठगी की राशि सात दिनों में वापस दिलाई

बारां @ जागरूक जनता। राजस्थान में बारां के नाहरगढ़ थाना पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार एक व्यक्ति को मात्र सात दिनों में तीन लाख 32 हजार रुपये की पूरी राशि वापस दिलाकर सफलता हासिल की है। जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि परिवादी दीपक नागर के साथ 27 जुलाई को ऑनलाइन साइबर ठगी की घटना हुई थी, जिसमें उसके खाते से तीन 32 हजार की धोखाधड़ी की गई। घटना के बाद परिवादी ने राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

गायत्री यज्ञ एवं राम आदर्शो पर शिक्षक व विद्यार्थियों के साथ चर्चा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। साकेत किड्स एकेडमी में अनुकरणीय आदर्श प्रभु श्री राम पुस्तक प्रकाशन मंडल के साथ गायत्री यज्ञ कर शिक्षकों विद्यार्थियों से रामचरित्र एवं गीता के उपदेशों पर चर्चा की गई। विद्यालय निदेशक रामविलास शर्मा एवं प्राचार्य नर्मदा शर्मा को पुस्तक की प्रतियाँ भेंट कर अनुरोध किया कि विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा सूचना पट एवं आयोजित प्रोग्राम के माध्यम से प्रभु श्री राम के आदर्शो के साथ भारतीय संस्कृति के नैतिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण से जोड़ने का प्रयास करें। इस प्रकार बच्चों में हिंदी अंग्रेजी शब्दकोश सुदृढ़ होगा साथ ही भावी पीढ़ी में भारतीय संस्कृति के संस्कारो बनेंगे। प्रकाशन मंडल सदस्यों ने यह भी अनुरोध किया कि वर्ष में एक बार पुस्तक सामग्री से प्रश्न पत्र तैयार कर विद्यार्थियों की परीक्षा आयोजित करे जिसमें प्राइमरी मिडिल, सेकेंडरी के समूह में पृथक प्रथम चार-चार बच्चों को पारितोषिक के सुझाव प्राप्त होने पर प्रकाशन मण्डल एवं मन्दिर की तरफ से पारितोषिक की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में प्रकाशन मंडल सदस्य लोकचन्द हरिरामानी, कन्हैया लाल लखवानी, नगेन्द्र वशिष्ठ उपस्थित रहे।

बच्चा जिद्दी हो गया है, बिना मोबाइल/टीवी देखे खाना नहीं खाता या फिर सोकर उठते ही रिमोट उठा लेता है तो सावधान हो जाएं! इसे अभी नहीं रोका तो यह माइग्रेन, सर्वाइकल और मेंटल डिसऑर्डर तक में बदल सकता है और इसका खामियाज़ा बच्चों को ज़िंदगी भर भुगतना पड़ सकता है। क्यों ऐसे बनाए जाते हैं बच्चों के लिए प्रोग्राम, क्या हो सकता है इस परेशानी का हल?

कार्टून्स की साज़िश और टारगेट पर आपका बच्चा!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

न टीवी, न फोन दें

कम से कम 5 साल तक बच्चों को स्क्रीन से दूर रखा जाए।

सिर्फ मोबाइल ही नहीं, टीवी की स्क्रीन भी होती है नुकसानदायक

सिर्फ बच्चे की नहीं, इसे पूरे परिवार की परेशानी समझें

5 साल तक के बच्चों का स्क्रीन टाइम 2.5 घंटा प्रतिदिन है। (AIIMS रायपुर की स्टडी)

2 साल तक के बच्चों का स्क्रीन टाइम लगभग 1.2 घंटा प्रतिदिन का है फिलहाल।

10 स्टडीज़ के आधार पर यह नतीजा निकाला गया। इसमें 2,857 बच्चे शामिल थे।

And the wheels on the bus go round and round...दुनियाभर में मशहूर कोकोमेलन यूट्यूब चैनल पर इस गाने को सुनते ही बच्चे खिलखिला उठते हैं। इसकी धुन ही इतनी अट्रैक्टिव है कि बच्चे घंटों तक इसे बिना रुके देख लेते हैं। हम सोचते हैं कि रंग-बिरंगे कार्टून देखकर अगर बच्चे झूम रहे हैं तो गलत ही क्या है? लेकिन कब देखते-देखते उन्हें इसकी लत लग जाती है, हमें पता ही नहीं लगता। इस वजह से उन्हें ब्रेन रॉट (दिमाग सुस्त होना) होने लगता है। बच्चों में ऐसे कार्टून शोज़ की लत से दुनियाभर के पैरेंट्स परेशान हैं। इस पर रिसर्च भी हुई कि आखिर इनमें क्या अलग है जो बच्चे इसके मोहजाल में फंस जाते हैं? नतीजे में पता लगा कि इनकी टीम दिन-रात इसी काम में जुटी है कि कैसे बच्चे का एक-एक सेकंड का ध्यान अपनी ओर लगाकर रखें। इसके लिए बकायदा बच्चों पर एक्सपेरिमेंट होते हैं। यह हाल तो सिर्फ एक कार्टून शो का है। आमतौर पर बच्चों के कॉन्टेंट का मकसद यही होता है कि कैसे बच्चों का पूरा फोकस उन पर ही रहे।

इसके असर पर भी नज़र डाल लेते हैं:

केस 1
बीते दिनों एक विडियो वायरल हुआ जिसमें कोई बच्चा मक्खियों से घिरा होने के बावजूद भी मोबाइल फोन देखने में बिजी था। इसी विडियो में एक दूसरा बच्चा सोते-सोते भी हरकतें कुछ कर रहा था।

केस 2
दिल्ली के एक अस्पताल में 9 साल का बच्चा पहुंचा जो अब मोबाइल फोन के बिना स्कूल तक नहीं जाता। जब पैरेंट्स ने उसे ऐसा करने से रोका तो उसने पैरेंट्स पर ही हाथ उठा दिया।

केस 3
पिछले दिनों अस्पताल में 3 साल का एक बच्चा पहुंचा जो स्क्रीन टाइम ज्यादा होने की वजह से वर्चुअल ऑटिज़्म का शिकार हो गया था। 3 साल का यह बच्चा अब तक बोल भी नहीं पाता।

केस 4
कुछ समय पहले एक डॉक्टर के पास 8 साल का ऐसा बच्चा इलाज के लिए पहुंचा जिसे लगातार मोबाइल फोन के इस्तेमाल की वजह से सर्वाइकल पेन की परेशानी हो गई थी।

बच्चों में बढ़ते स्क्रीन टाइम का असर कितना खतरनाक हो सकता है, यह असल ज़िंदगी के इन उदाहरणों से समझा जा सकता है। डॉक्टरों के मुताबिक, 5 साल से ऊपर के बच्चों में अब इसका असर सामने आने लगा है। इस वजह से उनमें कई मानसिक और शारीरिक समस्याएं हो रही है। पिछले साल 'ब्रेन रॉट' शब्द काफी चर्चा में रहा था जो बढ़ते स्क्रीन टाइम का असर बताता है। डॉक्टर बताते हैं कि जब से मोबाइल फोन में बच्चों का कॉन्टेंट आने लगा है, तबसे यह समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। इससे भी ज्यादा चिंता वाली बात यह है कि ज्यादा स्क्रीनटाइम का असर बचपन में पता ही नहीं लगता और जब तक इसका अहसास होता है, तब तक काफी देर हो चुकी होती है। यही हाल रहा तो 10-15 साल बाद बच्चे को पूरी ज़िंदगी पर असर पड़ेगा।

यह बच्चे की नहीं, घरवालों की गलती है

मोबाइल या टीवी देखकर खाना खा रहे किसी बच्चे के पैरेंट्स से पूछें तो यही जवाब मिलता है कि बच्चा बहुत जिद्दी हो गया है, बिना कार्टून देखें खाना खाता ही नही...

कई बार यह कहा जाता है कि आजकल के बच्चे कहां मानते है, बिना मोबाइल के कुछ करते ही नही। हालांकि इसके कई पहलू हैं। 3 साल के हरीश का स्क्रीनटाइम रोज लगभग 4 से 5 घंटा है। मां सनी बताती हैं कि बिना मोबाइल के बेटा खाना नही खाता है। वह कहती हैं, 'मैं हाउसवाइफ हूं लेकिन घर के तमाम काम होते हैं जिन्हें करते हुए बच्चों को लेकर नही बैठ सकते। ऐसे में उसे मोबाइल देना ही पड़ता है।' हालांकि वह मानती हैं कि इसी वजह से बच्चा खुद ऐक्टिविटीज करना नही सीख पाया। वही 2 साल के बेटे की मां कविता बताती हैं कि हम अपने बच्चे को डांटकर मोबाइल वापस ले लेते हैं मगर टीवी दिखाना कई बार

ज़रूरी हो जाता है। इसकी एक वजह तो ये है कि हम दोनों वर्किंग हैं तो घर पर ऑफिस मीटिंग, कॉल्स, काम की वजह से फ्री टाइम की ज़रूरत होती है। ऐसा कई बार हुआ है कि जब मैं और बेटा खेलने लगे तो ऑफिस की कॉल आ गई। फिर मुझे उसे छोड़कर दूसरे कमरे में जाना पड़ता है। फिर खाली बैठा बच्चा टीवी ही देखने लगता है।

हालांकि इसी बातचीत में पैरेंट्स ने यह भी माना कि वे रोज बच्चे के साथ 2-3 घंटे का भी क्वॉलिटी टाइम नही बिता पाते।

बच्चों में दिख रहीं ऐसी परेशानियां

- अटेंशन डिफिसिट हाइपरऐक्टिविटी डिसॉर्डर (ADHD): इसमें बच्चों को किसी चीज पर फोकस करने में समस्या आती है।
- वर्चुअल ऑटिज़म : इसमें बच्चों को सामाजिक रूप से घुलने-मिलने में परेशानी होती है। छोटा बच्चा देर से बोलता है।
- ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से एंग्जायटी और डिप्रेशन के मामले बढ़ रहे हैं।
- बच्चों का सोने-जागने का पैटर्न बिगड़ रहा है।
- सिरदर्द की समस्या आम होती जा रही है। माइग्रेन भी बढ़ रहा है।
- गर्दन-पीठ में दर्द की समस्या बढ़ रही है। बच्चों में सर्वाइकल दर्द के केस आ रहे हैं।
- फिजिकल ऐक्टिविटी कम होने की वजह से बच्चों में मोटापा भी बढ़ रहा है।
- इमोशनल स्तर पर बच्चे कमज़ोर हो रहे हैं।
- बच्चों में पैरासोम्निया यानी नींद में हरकतें करने की समस्या भी बढ़ रही है।

रिझाने के लिए चटख रंग, तेजी से बदलते सीन

बच्चे को शुरुआत में टाइम पास के लिए टीवी के सामने कार्टून चलाकर बिठाया जाता है। फिर वह टाइमपास आदत बन जाता। पैरंटिंग एक्सपर्ट गीतांजलि शर्मा कहती हैं कि बच्चों का जो कॉन्टेंट तैयार होता है, वह ऐसा होता है कि लत लग जाए। चटकीले रंगों का इस्तेमाल किया जाता है, ऐसा दिलचस्प कॉन्टेंट होता है कि बच्चा उसकी ओर खीचा रहता है। इस बारे में एनिमेशन कंपनी कॉसमॉस माया में डायरेक्टर-प्रोड्यूसर धीरज बेरी (जो मोटू पतलू, टीटू, बिट्टू बहानेबाज और ईना मीना डीका जैसे पॉपुलर शो बना चुके है) कहते हैं, 'बच्चे वाइब्रेंट कलर्स की ओर आकर्षित होते हैं, कुछ रंग ऐसे होते हैं जो उनके दिमाग में जल्दी बैठ जाते हैं जैसे लाल या पीला। कैरेक्टर की शेप भी बहुत मायने रखती है। ज्यादातर कार्टून में आसान शेप का इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि ऐसी शेप को बच्चे आसानी से समझते है। बच्चे म्यूजिक से बहुत जल्दी कनेक्ट करते हैं। म्यूजिक अच्छा है तो बच्चा बिना बोर हुए उस चीज को दिन में कई बार देख सकता है। ध्यान रखा जाता है कि म्यूजिक बहुत कैची हो, मेलडी अच्छी हो, मूड पर पूरी तरह सेट हो रहा हो।' क्या बच्चों का कॉन्टेंट जानबूझकर ऐसे तैयार किया जाता है कि उसकी लत लग जाए? वह कहते हैं, 'जब हम कोई शो तैयार कर रहे होते हैं तो साथ में चाइल्ड स्पेशलिस्ट और साइकोलॉजिस्ट भी होते हैं जो हमें गाइड करते है कि इस कॉन्टेंट का बच्चों पर क्या असर पड़ सकता है। हम हमेशा मनोरंजन के साथ पॉजिटिव मेसेज देते हैं, जैसे सुबह जल्दी उठना चाहिए, गलत काम नही करना चाहिए वगैरह।

सर्वाइकल, माइग्रेन, टेक-नेक भी बच्चों में

जब स्क्रीन टाइम की बात आती है तो ज्यादातर मेंटल हेल्थ की बात होती है। लेकिन एक्सपर्ट बताते हैं कि इस वजह से बच्चों की फिजिकल हेल्थ भी खराब हो रही है। बच्चों में इन वजहों से टेक-नेक (गर्दन में दर्द) की समस्या बढ़ रही है, जो बड़ों में देखी जाती थी। बच्चों की पीठ और गर्दन में अकड़न की वजह से दर्द होने लगा है। इसके अलावा बच्चे गलत पोजिशन में घंटों बैठकर मोबाइल-टीवी देखते हैं तो शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा चूंकि स्क्रीन टाइम फिजिकल ऐक्टिविटी को कम कर देता है तो बच्चों में मोटापे की समस्या आम होती जा रही है। इस वजह से कम उम्र में ही ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है जो उम्र बढ़ने के साथ-साथ दिल की सेहत पर भी असर डालता है। बढ़ते स्क्रीन टाइम की वजह से बच्चों को सिरदर्द भी होने लगा है। वही कुछ बच्चों में माइग्रेन की शिकायत भी पाई जा रही है। मेकयोर हॉस्पिटल के पीडियाट्रिशियन डॉ. संजय जैन बताते हैं कि कुछ केस ऐसे भी आए हैं कि बच्चे दीवार में सिर मारने लगे हैं। यहां तक के मेरे पास 8 साल के बच्चे में सर्वाइकल का केस भी आया है जो कि स्क्रीन टाइम की वजह से हुआ था। इसके अलावा बच्चों की आंख में सूखापन हो रहा है और चश्मा भी लग रहा है।

यूं ही एडिक्ट नहीं बन जाते बच्चे...

बड़ों से अलग बच्चों के लिए खासतौर पर बनाए एनिमेशन आदि के दौरान कई चीजों का रखा जाता है खास ध्यान:

- आसान शेप वाली चीजों को दिखाया जाता है जैसे कि राउंड शेप वाला चेहरा।
- उन रंगों का इस्तेमाल किया जाता है जिनसे बच्चे अट्रैक्ट हों, जैसे लाल, पीला, हरा, गुलाबी वगैरह।
- बच्चों का फोकस बना रहे इसके लिए बैकग्राउंड और कैरेक्टर के डिजाइन अलग-अलग होते हैं।
- कार्टून के पेस (यानी कितनी तेजी से सीन बदल रहे है, घटनाएं हो रही हैं, कैरेक्टर रिएक्ट कर रहे हैं, शो में कितनी एनर्जी झलक रही है वगैरह) का भी ध्यान रखा जाता है।
- इस बात का खास ख्याल रखा जाता है कि उस कार्टून में ऐसी चीज़ें न हों जिनसे बच्चों का ध्यान उससे हटकर किसी दूसरी ओर चला जाए।
- बच्चों को म्यूज़िक अट्रैक्ट करता है, इसलिए म्यूज़िक का खास इस्तेमाल किया जाता है। म्यूज़िक बच्चों के दिमाग में बैठ जाता है, ऐसे में इससे कार्टून की रिकॉल वैल्यू भी बनती है। उसे बच्चे बार-बार देखना चाहते हैं।
- गाने और स्क्रिप्ट के लिए बाकायदा गाइडलाइंस होती है, जिनमें कुछ आसान शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है।

एनिमेशन बनाने के बाद होती है रिसर्च

- कोई भी कार्टून शो तैयार करने के बाद बच्चों पर रिसर्च की जाती है।
- देश में अलग-अलग जगह पर बच्चों को वह कार्टून दिखाया जाता है। इन दर्शकों में अलग-अलग उम्र के लड़के-लड़कियां शामिल होते हैं।
- इस दौरान उनके साथ एक टीम बैठती है जो यह नोटिस करती है कि बच्चों का किस सीन पर क्या रिएक्शन रहा, कहां पर बच्चे चौंके, कहां उन्होंने कितना एन्जॉय किया।
- यह भी ध्यान रखा जाता है कि बच्चों का ध्यान कहां भटक रहा है और कहां पर सबका फोकस है। अगर किसी सीन पर एक भी बच्चे का ध्यान भटक रहा है तो उस सीन पर दोबारा काम किया जाता है।
- इस दौरान बच्चों की उम्मीदों का भी ध्यान रखा जाता है कि शो या कैरेक्टर से बच्चों को क्या उम्मीदें है और वह शो उस उम्मीद को पूरा कर रहा है या नहीं।
- इस दौरान चाइल्ड बिहेवियर एक्सपर्ट और साइकॉलजिस्ट-सायकायट्रिस्ट से भी सलाह ली जाती है कि बच्चों के बीच क्या ट्रेंड है, उन्हें क्या पसंद आ रहा है, उनकी सोच किस तरह बदल रही है वगैरह।
- इन सबको ध्यान में रखते हुए कार्टून में बदलाव किए जाते हैं।

रिश्ते भी हो रहे खराब

जब बच्चा स्कूल जाना शुरू करता है और पढ़ाई व दूसरी ऐक्टिविटी में परफॉर्मेंस पिछड़ जाती है तो पैरेंट्स को लगता है कि वह जानबूझकर पढ़ाई नहीं कर रहा। बच्चा ज्यादा स्क्रीन देखता है तो उसका मन न पढ़ाई में लगता है और न ही खेलकूद में। सोने-जागने का पैटर्न भी बिगड़ जाता है। पैरेंट्स समझते हैं कि वह मनमानी करने लगा है। वे बच्चे पर सख्ती करते हैं, इससे घर में तनाव बढ़ता है। पैरेंट्स और बच्चों के बीच दूरियां बढ़ जाती हैं। इसका असर पूरी ज़िंदगी पर पड़ता है।

जल्दी संभलें

गीतांजलि शर्मा कहती है कि अगर समय रहते बच्चों को स्क्रीन से दूर करके मीनिंगफुल ऐक्टिविटीज़ में लगाया जाए तो उसके प्रभावों को ठीक किया जा सकता है। वही डॉ. परमजीत कहते हैं कि कई मामलों में इन समस्याओं का इलाज हो सकता है लेकिन एक बार स्क्रीन टाइम बढ़ने के बाद स्क्रीन टाइम कम करना आसान नही होता। कम मामलों में पैरेंट्स ऐसा कर पाते हैं। डिवेलपिंग ब्रेन में ये समस्याएं बनी रहें तो परमानेंट हो सकती हैं।

स्क्रीन की लत से ADHD, ऑटिज़्म, डिवेलपमेंट डिसॉर्डर के बढ़ रहे मामले

बच्चों के लिए बने खास तरह के कॉन्टेंट से जो लत लगती है वह बहुत नुकसान करती है। सीनियर सायकायट्रिस्ट विपुल रस्तोगी कहते हैं, 'ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से आजकल बच्चों की दिलचस्पी खेलकूद या दूसरी ऐक्टिविटीज़ में नहीं दिख रही। बचपन में जो एडिक्शन कार्टून से शुरू हो रहा है, वह आजकल उस हद तक जा रहा है कि बच्चे वह सब भी देखते हैं जो उनके लिए नहीं है क्योंकि उन्हें स्क्रीन की लत लग चुकी है। हमारे पास ऐसे कई केस आते हैं कि बच्चा फोकस नहीं कर पाता। इस वजह से अटेंशन, एंग्जायटी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं और दूसरी क्षमताएं कमज़ोर हो रही हैं। चिड़चिड़ापन, ज़िद्दी होना, नींद न आना, एनर्जी में कमी जैसी चीजें भी इसी वजह से बढ़ रही हैं। बात डिप्रेशन तक जा रही है।' गीतांजलि शर्मा कहती हैं, 'बहुत ज्यादा मोबाइल या टीवी देखने से ब्रेन रॉट की समस्या हो रही है यानी दिमाग फ्रेश नहीं बल्कि थका-थका महसूस करता है। इस वजह से बच्चों में आजकल ADHD, वर्चुअल ऑटिज़्म, न्यूरो डिवेलपमेंट डिसॉर्डर, सोशल स्किल्स न पनपना जैसी समस्याएं हो रही हैं। इस वजह से बच्चे असल दुनिया को स्वीकार नहीं कर रहे और यह असर बड़े बच्चों में भी दिख रहा है। वे कार्टून की तरह ही हंसते-रोते भी हैं।' पीएसआरआई अस्पताल के सायकायट्रिस्ट डॉ. परमजीत सिंह कहते हैं कि इस वजह से बच्चों में गुस्सैल प्रवृत्ति बढ़ रही है और इमोशंस के स्तर पर कमजोर हो रहे हैं। ऐसे भी बच्चे आ रहे हैं जिनका कोई दोस्त तक नहीं है। रात में सोने-दिन में जागने का टाइम बिगड़ गया है तो बायलॉजिकल रिद्म डिस्टर्ब हो रही है।'

ज्यादा स्क्रीन देखने की वजह से छोटे बच्चे असल दुनिया को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। यह असर बड़े बच्चों में भी दिख रहा है। अब वे हंसते-रोते भी कार्टून की तरह ही हैं। इस से बच्चों में गुस्सैल प्रवृत्ति भी बढ़ रही है।

स्क्रीन से ऐसे पा सकते हैं छुटकारा

अगर आप अपने बच्चे को स्क्रीन से दूर कर रहे हैं तो उसे इसके बदले कुछ विकल्प भी दें जिसमें उसकी दिलचस्पी हो, जैसे कि क्रिएटिव आर्ट, स्विमिंग, स्पोर्ट्स वगैरह। बच्चों को दिलचस्प विकल्प नही मिलेगा तो वे दोबारा मोबाइल-टीवी की तरफ जाएंगे। कुछ ऐसी चीजें करें:

- बच्चों का दिमाग कल्पनाशील होता है। ऐसे में बच्चों को कहानियां सुनाएं ताकि वे अपनी कल्पना की जरूरत पूरी कर सकें।
- बच्चों को कलरफुल ऐक्टिविटी जैसे कलर करना या ड्रॉइंग बनाना या कलरफुल बुक्स देखने में बिजी कर सकते है।
- उनकी ज़िंदगी से पूरी तरह स्क्रीन खत्म कर देना आज के जमाने में संभव नही। इसे मिनिमाइज़ यानी कम से कम करने के उपाय ढूंढे।
- इसे फैमिली प्रॉब्लम की तरह देखें। पहले आप खुद मोबाइल से दूर होने की कोशिश करें। वरना, बच्चे को कैसे दूर होने के लिए कहेंगे।

- बच्चों से बात करें कि क्यों उनका मोबाइल का वक्त कम किया जा रहा है ताकि वे उन चीजों को समझें और आपके दुश्मन न बन बैठें।
- यह भी न सोचे कि एक-दो बार कहने से स्क्रीन टाइम कम हो जाएगा। इसके लिए समय-समय पर उन्हें समझाना होगा।
- बच्चे को अपना क्वॉलिटी टाइम देना होगा। साथ ही घर पर खुद भी फोन से दूरी बनाकर रखनी होगी। इससे बच्चे को सही मेसेज मिलेगा।
- बच्चा कंट्रोल में नही आ रहा है और स्थिति हाथ से बाहर जा रही है तो काउंसलर से मदद ले सकते हैं।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' की पहल : 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया संकल्प

100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार को देशभर में विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' की पहल; पीएम मोदी के राष्ट्रव्यापी संबोधन में 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया संकल्प। "नशामुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान" के अंतर्गत आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी लाइव कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। इस अवसर पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में कुलगुरु प्रोफेसर गोविन्द सहाय शुक्ल के दिशा निर्देशों के तहत अभियान के प्रभावी संचालन और गतिविधियों के समन्वय की मुख्य जिम्मेदारी प्रो. रीतु कपूर को सौंपी गई। राजस्थान के माननीय राज्यपाल द्वारा राज्य के समस्त विश्वविद्यालयों को दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के आयुर्वेद, होम्योपैथी, बी.एन.वाय.एस. एवं बी.एससी. नर्सिंग संकायों के साथ-साथ संबद्ध निजी व राजकीय महाविद्यालयों के लगभग 1,500

विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल माध्यम एक आकर्षक नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसने नशे से दूरी ही जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा है का सशक्त संदेश देते हुए युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहकर स्वस्थ व जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। प्रधानमंत्री जी ने MY Bharat Platform के माध्यम से देश भर के 1 करोड़ से अधिक युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए युवाओं से नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं का स्वस्थ और जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि काशी डिक्लेरेशन से प्रारंभ हुआ यह अभियान अब एक राष्ट्रव्यापी संकल्प महाभियान बन चुका है, जिसके तहत आगामी 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार को देशभर में विभिन्न जनजागरूकता, संवाद, खेल, सांस्कृतिक व सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु महोदय ने बताया कि संस्थान में लगातार शपथ ग्रहण, चिकित्सा शिविर, नुक्कड़ नाटक, रैली आदि का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के समापन पर संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार ने आगामी 100 सप्ताह की सभी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने और नशामुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का सामूहिक संकल्प व्यक्त किया।

रात्रि चौपाल में घोषणाओं एवं तुरंत स्वीकृतियों से खिले ग्रामीणों के चेहरे, मुख्यमंत्री का जताया आभार

गांव की समृद्धि ही देश की समृद्धि एवं विकसित राजस्थान का आधार-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का उदयपुर जिले की झाड़ोल तहसील स्थित बीड़ा गांव में रात्रि प्रवास ग्रामीणों के लिए एक नए सवेरे की सौगात लेकर आया। रविवार सुबह मुख्यमंत्री को गांव की गलियों में अपने बीच पाकर ग्रामीण उत्साहित नजर आए। मुख्यमंत्री ने रात्रि चौपाल में ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों पर पानी की व्यवस्था के लिए कुएं निर्माण, सरस डेयरी सेंटर और खेल मैदान की घोषणा तथा तत्काल स्वीकृति दी। इसके लिए ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने प्रातः भ्रमण के दौरान गांव की गलियों में घूमकर ग्रामीणों से संवाद किया, बच्चों को दुलारा और चॉकलेट वितरित की। स्कूली बच्चों से उनकी शिक्षा एवं भविष्य की आकांक्षाओं की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं से वीबी-जी राम जी योजना की चर्चा की। साथ ही, बुजुर्गों से कुशलक्षेम पूछते हुए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं

के लाभ और किसानों से स्थानीय खेती एवं उपज की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा की और उनके अभाव अभियोग सुने। इस दौरान ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांव की समृद्धि देश की समृद्धि का आधार बन रही है। इसी कड़ी में हम निरंतर ग्राम विकास चौपाल आयोजित कर रहे हैं। इनसे गांव के लोगों की सहभागिता बढ़ रही है तथा गांव की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीड़ा गांव के ग्रामीण पशुपालन से जुड़े हुए हैं। यहां के लोग खेती और पशुपालन से आजीविका अर्जन करते हैं। छोटी जोत होने के कारण भी यहां के किसान मेहनत करते हुए प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। हमारी माता-बहनें पशुपालन सहित सभी क्षेत्रों में बहुत अच्छा काम कर रही हैं। गांव में डेयरी नहीं होने के कारण ग्रामीणों को दूर जाना पड़ता था। इसलिए कल रात्रि चौपाल के दौरान हमने यहां सरस डेयरी केंद्र की स्वीकृति दी है और इस घोषणा का क्रियान्वयन भी शुरू हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीविका महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन गया है। वहीं, किसानों एवं पशुपालकों को भी सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जिससे हमारे गांव सशक्त, समृद्ध एवं आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन के सतत प्रयास एवं ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी गांव के विकास का आधार है। उन्होंने ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने और उन्नत-प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित किया।

पालिका चुनाव को लेकर नगर कांग्रेस की बैठक का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। माउंट आबू में आगामी नगर पालिका चुनावों की तैयारियों को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक नीलकंठ महादेव मंदिर में जिला अध्यक्ष लीलाराम गरासिया की अध्यक्षता में हुई। इसमें सह प्रभारी गब्बर सिंह मीणा और विधानसभा प्रभारी कैलाश गहलोत भी शामिल हुए। बैठक में वक्ताओं ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने प्रशासन के साथ मिलकर शहर में छोटे दुकानदारों और आम लोगों को परेशान किया है। कांग्रेस नेताओं ने इस मुद्दे को जनता के बीच उजागर कर नगर पालिका में कांग्रेस का बोर्ड बनाने का आह्वान किया। विधानसभा प्रभारी कैलाश गहलोत ने कार्यकर्ताओं से आमजन की पीड़ा को समझने और भाजपा की 'डराने-धमकाने' वाली नीतियों को उजागर करने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों को कांग्रेस के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। सह प्रभारी गब्बर सिंह मीणा ने भाजपा शासन को 'कुराज' बताते हुए कहा कि ऐसा शासन दिल्ली से लेकर शहरों और गांवों तक देखा जा रहा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों से आगामी नगर पालिका और पंचायत चुनावों में पार्टी को जीत दिलाने के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। जिला अध्यक्ष लीलाराम गरासिया ने माउंट आबू की स्थिति पर बात करते हुए कहा कि वे यहां की समस्याओं से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दिनों में आम लोगों को दुकानों के किराए, घर की मरम्मत और निर्माण अनुमतियों के नाम पर प्रताड़ित किया गया। भाजपा ने अपने चहेतों को इन नीतियों का लाभ पहुंचाया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन सभी बातों को आमजन के बीच रखने का आग्रह किया, ताकि माउंट आबू नगर पालिका में कांग्रेस का बोर्ड बनाकर पार्टी की जीत सुनिश्चित की जा सके।

कृषि विश्वविद्यालय "नशे के खिलाफ" एकजुटः रैली निकाली, नशामुक्त भारत के निर्माण की ली शपथ

युवा नशा नहीं परिवार की खुशियां व सपनों को तरजीह देवें-कुलगुरु प्रो. जैतावत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। कुलगुरु प्रोफेसर विरेन्द्र सिंह जैतावत की अगुवाई में समस्त कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर "नशे के खिलाफ" एकजुट नजर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान" के तहत कृषि विश्वविद्यालय में 'नशा मुक्त भारत अभियान 2026' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि महाविद्यालय जोधपुर, डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के विद्यार्थियों की ओर से विभिन्न नारों से आकाश गुंजायमान करते हुए नशे के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर कुलगुरु जैतावत ने कहा कि नशा न सिर्फ एक परिवार बल्कि पीढ़ियों को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि हमारे युवा परिवार की खुशियों व माता-पिता

के सपनों को तरजीह देवें।

इस दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ एम एम सुंदरिया, निदेशक प्रसार, डॉ सेवाराम कुमावत, अधिष्ठाता व संकायाध्यक्ष, डॉ जे आर वर्मा व अधिष्ठाता डॉ एम एम कुमावत ने भी युवाओं को नशे से दूर रहने व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। विद्यार्थियों की ओर से अर्जुन सिंह, रानी कंवर व सुशीला ने नशे के खिलाफ विचार रखें। इस दौरान विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक, डॉ कमल किशोर सैनी ने अभियान की जानकारी व उपयोगिता साझा की। समारोह में आभार, निदेशक एचआरडी, डॉ महेंद्र कुमार ने जताया।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, अधिकारी गण, शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारी मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से देश के करोड़ों युवाओं को नशे के खिलाफ जुटने एवं नशा मुक्त समाज की ओर अग्रसर होने का वर्चुअल संबोधन भी सुना।

37 वर्षों की सेवाभावना-आईजी दर्शन लाल गोला ने आंतरिक सुरक्षा अकादमी से लिया सेवानिवृत्ति संन्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। आंतरिक सुरक्षा अकादमी, माउंट आबू के निदेशक व महानिरीक्षक दर्शन लाल गोला ने आज 37 वर्षों से अधिक की गौरवमयी राष्ट्र सेवा के उपरांत औपचारिक रूप से सेवा निवृत्ति ग्रहण की। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में वर्ष 1989 में सहायक कमांडेंट के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाले गोला ने लंबी पलबंदी, अनुशासन और नेतृत्व के साथ देश की सुरक्षा व संगठनिक मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सेवा का सफरः माउंट आबू से ही अपने करियर की शुरुआत करने वाले दर्शन लाल गोला ने देश के विभिन्न हिस्सों में तैनाती के दौरान जटिल चुनौतियों का सामना करते हुए प्रशिक्षण, रणनीतिक संचालन और प्रशासनिक प्रबंधन के क्षेत्रों में सफलता हासिल की। उनकी कर्तव्यनिष्ठा और पेशेवर दक्षता ने समय-समय पर अनेक प्रशंसाएँ और मान्यताएँ अर्जित कीं, जिससे वे बल में एक विश्वसनीय नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे।

अकादमी में योगदानः जनवरी 2025 में आंतरिक सुरक्षा अकादमी के निदेशक के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद गोला ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल व प्रभावी बनाने तथा संस्थागत मूल्यों को सुदृढ़ करने पर विशेष कार्य किया।

विदाई समारोह- सेवानिवृत्ति के अवसर पर अकादमी में आयोजित विदाई समारोह में महानिरीक्षक शिव कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक सुधांशु सिंह, कमांडेंट महेंद्र कुमार तथा अनेक अधिकारियों और कर्मियों ने दर्शन लाल गोला के अनुकरणीय नेतृत्व, समर्पण और दायित्वबोध की सराहना की।

जिला पुरस्कार समारोह 2026 में रोटरी क्लब ऑफ माउंट आबू अर्बुदांचल का शानदार प्रदर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। अमरतारा रिसॉर्ट में आयोजित रोटरी डिस्ट्रिक्ट अवार्ड्स समारोह में रोटरी क्लब ऑफ माउंट आबू अर्बुदांचल ने अपनी उत्कृष्ट सेवा गतिविधियों और उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त कर जिले में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

क्लब को उसके स्थायी सेवा प्रकल्प "मोक्षवाहिनी", एक लाख सीड बॉल प्लांटेशन अभियान तथा पर्यटन जागरूकता हेतु आयोजित पब्लिक इमेज कार एवं बाइक रैली के लिए सम्मानित किया गया। ये परियोजनाएँ क्लब की समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। समारोह का सबसे गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब रोटरी क्लब ऑफ माउंट आबू अर्बुदांचल को "बेस्ट न्यूकमर क्लब अवार्ड" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान क्लब के सदस्यों की ऊर्जा, समर्पण, उत्कृष्ट कार्यशैली और पूरे रोटरी वर्ष के दौरान किए गए प्रभावशाली सेवा कार्यों का प्रमाण है। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन निगम चौधरी उपस्थित रहे।

उन्होंने क्लब की उपलब्धियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि क्लब ने बहुत कम समय में सेवा, नेतृत्व और जनहित के कार्यों के माध्यम से पूरे जिले में एक प्रेरणादायक पहचान स्थापित की है। उन्होंने क्लब के सदस्यों की टीम भावना, उत्साह और सेवा के प्रति समर्पण की विशेष प्रशंसा की।

क्लब की इस सफलता के पीछे डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट रोटेरियन के. ए. श्याम कुमार एवं क्लब मेंटर एवं न्यू जनरेशन चेयरमैन रोटेरियन दिलीप मिश्रा का सतत मार्गदर्शन और प्रोत्साहन भी महत्वपूर्ण रहा, जिनके सहयोग ने क्लब को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर क्लब की ओर से अध्यक्ष मनवीराज सिंह गहलोत, मनोज अग्रवाल, अमित भाटी, जॉनी कनोजिया, आयुष गर्ग, दुष्यंत भंभानी एवं अमित गोयल समारोह में उपस्थित रहे और क्लब की ओर से सम्मान प्राप्त किया।

क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने इस सम्मान को प्रत्येक सदस्य की मेहनत, एकता और सेवा भावना का परिणाम बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि उन्हें भविष्य में भी समाज के हित में और अधिक समर्पण एवं उत्साह के साथ कार्य करने की प्रेरणा देती रहेगी। क्लब ने रोटरी के आदर्श वाक्य "Service Above Self" (स्वयं से पहले सेवा) को सदैव अपने कार्यों का आधार बनाए रखने का संकल्प भी दोहराया।

माँ फूलों में (काव्य-संग्रह) का भव्य लोकार्पण

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। सुश्री चन्द्रकान्ता 'चन्द्रेश' जी के प्रथम काव्य-संग्रह "माँ फूलों में" पुस्तक का लोकार्पण श्री शिव मन्दिर रतिया वाली प्याऊ के रैगर चौपाल देव नगर, करोलबाग, नई दिल्ली में अत्यंत भव्य तरीके से वरिष्ठ साहित्यकार राम चन्द्र वर्मा 'साहिल' जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। "माँ फूलों में" काव्य संग्रह का लोकार्पण योगेन्द्र चांदोलिया सांसद उत्तर पश्चिम लोकसभा एवं विशिष्ट अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। इस पुस्तक परिचर्चा में पुष्पा सिंह बिसेन, अनिल वर्मा मीत, अल्का सिन्हा, राम अवतार बैरवा, सुधाकर पाठक, डॉ.चन्द्र सैन, अनिल मासूम, हरमोहिंदर सिंह, आर जे मनीष आजाद जैसे दिग्गज साहित्यकारों शायरों एवं कवियों ने इस पुस्तक पर बहुत ही गहन, विस्तृत और सार्थक चर्चा में भाग लिया। इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में योगेन्द्र चांदोलिया, सांसद उत्तर पश्चिम लोकसभा की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी भव्य रूप दे दिया। चन्द्रकान्ता को उनके इस प्रथम प्रयास पर खूब शुभकामनाओं तथा शुभाशीषों द्वारा नवाजा गया। सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया गया। समारोह में साहित्य समाज के गणमान्यजन व मातृशक्ति उपस्थित रही।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

विस का मानसून सत्र 20 से, सदन के फ्लोर पर आ सकता है UCC विधेयक

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान की विधानसभा का मानसून सत्र 20अगस्त से शुरू होगा। संक्षिप्त चलने वाले सत्र में भजन लाल सरकार के UCC बिल लाने की योजना हैं। इसी कारण विधानसभा हंगामेदार होगी। पक्ष और विपक्ष फ्लोर मैनेजमेंट में जुटा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य को नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करने का निर्देश दिया गया है। इसी संवैधानिक भावना के अनुरूप भजन लाल सरकार राजस्थान में यूसीसी लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है।

विधानसभा के भावी सत्र में ये विधेयक सदन के पटल पर आएगा। यूसीसी लागू होने के बाद विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और भरण- पोषण जैसे व्यक्तिगत मामलो मे सभी नागरिकों के लिए एक समान कानूनी व्यवस्था लागू होगी। इसके साथ ही वर्तमान में प्रचलित विभिन्न पर्सनल लॉ, जैसे हिंदू कोड बिल और मुस्लिम पर्सनल लॉ की अलग- अलग व्यवस्थाओं के स्थान पर एक समान नागरिक कानून लागू होगा। बीजेपी का दावा हैं यूसीसी का उद्देश्य महिलाओं को समान अधिकार प्रदान कर और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। प्रस्तावित कानून मे बहुविवाह पर रोक, विवाह और तलाक का अनिवार्य पंजीकरण तथा संपत्ति मे पुत्र और पुत्री को समान अधिकार जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हो सकते हैं। वर्तमान में उत्तराखंड, गुजरात, असम और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में यूसीसी पर कानून या तो पास हो चुका है या इसे अपनाया जा चुका है। गोवा में ये कानून पहले से हैं।

भजनलाल सरकार ने यूसीसी का प्रारूप तैयार करने और जनता से सुझाव लेने के लिए एक उच्च उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। समिति ने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में जनसुनवाई और ऑनलाइन माध्यम से आम जनता की राय जुटाने की प्रक्रिया शुरू की। 20 अगस्त से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में सरकार इसे विधेयक के रूप में सदन के पटल पर रख सकती है। इसके साथ ही हंगामा होना तय हैं। भावी सत्र के मद्देनजर बीजेपी के फ्लोर मैनेजर रणनीति बनाने में जुट गए है और हरावल अपनी तैयारी में।

बीजेपी का हरावल दस्ता

सदन में हरावल दस्ते की अगुवाई करेंगे संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सेनापति की भूमिका में होंगे मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, हरावल दस्ते में शुमार अन्य नेता हैं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, खाद्य मंत्री सुमित गोदारा, सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, उद्योग खेल राज्य मंत्री केके विश्नोई, विधायक संदीप शर्मा, विधायक श्रीचंद कृपलानी, विधायक कालीचरण सराफ, विधायक पुष्पेंद्र सिंह बाली, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, विधायक जितेंद्र गोठवाल, विधायक बाबू सिंह, विधायक अनिता भदेल, विधायक शत्रुघ्न गौतम, विधायक गोपाल शर्मा, विधायक हमीर सिंह भायल, विधायक अरुण अमराराम, विधायक दीप्ति किरण, विधायक कुलदीप धनखड़, विधायक भागचंद टांकड़ा, विधायक बाबा बालकनाथ, विधायक जसवंत यादव, विधायक अर्जुन लाल जीनगर, महंत बाल मुकुंदाचार्य, विधायक हंसराज मीना, विधायक ललित मीणा समेत प्रमुख विधायक शुमार हरावल दस्ते में सदन के नेता और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में सत्ता पक्ष युवाओं को रोजगार, यमुना जल समझौता, ऊर्जा में आत्म निर्भरता, पेपर लीक माफिया के खिलाफ शिकंजा समेत विभिन्न मुद्दों के दम पर विपक्ष के हमलों का जवाब देगा।

सत्ता पक्ष के तरकश के तीर

- बीजेपी संकल्प पत्र के करीब 85 फीसदी वादे पूरे
- युवाओं को रोजगार
- नौकरियों के कैलेंडर का निर्धारण
- ऐतिहासिक यमुना जल समझौता
- ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भता
- पेपर लीक माफिया के खिलाफ शिकंजा
- करप्शन के खिलाफ प्रहार
- कांग्रेस की अंतर्कलह
- पीसीसी चीफ डोटासरा पर आरोप

कांग्रेस की तैयारी पूरी

कांग्रेस भी पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरने वाली है। यूसीसी,दिल्ली में नीट को लेकर जेन 5 आंदोलन, राम मंदिर चंदा चोरी , अजमेर जेल गैंगवार, कानून व्यवस्थ समेत कई मुद्दों पर विपक्ष घेरने की तैयारी में।

कांग्रेस का हरावल दस्ता

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा रफीक खान सचेतक शांति धारीवाल, हरीश चौधरी, हरिमोहन शर्मा, नरेंद्र बुढ़ानिया, राजेंद्र पारीक, रफीक खान, श्रवण कुमार, अशोक चांदना, रतन देवासी, घनश्याम मेहर, रीटा चौधरी, रोहित बोहरा, अमीन कागजी, रामनिवास गावड़िया, अमित चाचान, हाकम अली, इंदिरा मीणा, डूंगर राम गैदर, मनीष यादव, अभिमन्यु पूनिया, विकास चौधरी, रूबी कुन्नर, संजय जाटव।

अरावली की परिभाषा तय करने सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर कमेटी सक्रिय, कल से मैदानी सर्वे शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अरावली की परिभाषा तय करने सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर कमेटी सक्रिय हो गई है। 6 अगस्त से राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में मैदानी सर्वे शुरू होगा। कमेटी अरावली क्षेत्र के भू-विज्ञान, पर्यावरण और जैव विविधता का अध्ययन करेगी। खनन, भूमि उपयोग और विकास गतिविधियों का भी वैज्ञानिक आकलन होगा। 31 अगस्त तक सुप्रीम कोर्ट को कमेटी को अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। अरावली की पहचान तय होने से संरक्षण और खनन नीतियों पर असर पड़ेगा। सर्वे में सरकार, वैज्ञानिक, ग्रामीण और सभी हितधारकों से सुझाव लिए जाएंगे।

भारत की लंबी दूरी की मिसाइल टेस्ट की तैयारी, ओडिशा तट पर 3,760 किमी का NOTAM जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। ओडिशा तट पर 3,760 किमी का NOTAM जारी किया गया है। लंबी दूरी के मिसाइल टेस्ट के लिए NOTAM बढ़ाया गया है। मिसाइल परीक्षण के लिए 3,760 किमी का नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। परीक्षण ओडिशा तट पर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया जाएगा। यह परीक्षण 6 से 7 अगस्त के बीच किया जाएगा। किसी बेहद एडवांस रणनीतिक मिसाइल या लंबी दूरी की बैलिस्टिक प्रणाली का परीक्षण संभव है।

MADHAV UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Govt. Legislature Act No. 07 of 2014
ACCREDITED WITH 'A' GRADE BY NAAC
Entrance Test Exam Fee is 1500/-
ADMISSION OPEN 2026-27
Admission as per UGC & State Govt. Norms.
HOMOEOPATHY: B.H.M.S.
YOGA & NATUROPATHY: BNYS, PGDYN, DNYS, CCYN
ALLIED AND HEALTHCARE: B.MLS (Bachelor of Medical Laboratory Science), B.MRIT (Bachelor of Medical Radiology and Imaging Technology), B.AOTT (Bachelor of Anesthesia and Operation Theatre Technology), M.MLS (Master of Medical Laboratory Science), M.AOTT (Master of Anesthesia and Operation TheatreTechnology), M.MRIT (Master of Medical Radiology and Imaging Technology), BPT (Bachelor of Physiotherapy), MPT (Master of Physiotherapy) (Musculoskeletal Science, Sports Science, Neurology Science, Cardio-Pulmonary Science)
LIBRARY: D. LIBRARY, B. LIBRARY, M. LIBRARY
COMMERCE & MANAGEMENT: B. Com., M. Com., BBA, MBA
COMPUTER SC. & APPLICATIONS: DCA, BCA, PGDCA, MCA, B.Sc. (IT), M. Sc. (IT)
PHARMACY: D. Pharm, B. Pharm, M. Pharm
Ph.D IN ALL ABOVE COURSES
* Subject to Approval
ADVANCE ENGINEERING: B.Tech. AI/ML, B.Tech. AI/Data Science, BCA AI/ML, BCA AI/Data Science, BCA Cyber Security, MCA AI/ML, MCA AI/Data Science, B.Sc. IT AI/ML, B.Sc. IT AI/Data Science, M.Sc. IT AI/ML, M.Sc. IT AI/Data Science
ENGINEERING: Diploma (Civil, Mechanical, Electrical, ECE, CSE, Mining, Fire & Safety), B. TECH., CSE with Specialization: (Artificial Intelligence & Machine Learning, Data Science), B.TECH (Civil, Mechanical, Electrical, ECE, CSE, Mining, Fire & Safety), M. TECH
I.T.I.: Diesel, Fitter, Electrician, Wireman
CLINICAL PSYCHOLOGY (RCI): B.Sc. Clinical Psychology *, MA Clinical Psychology *, PDCP Clinical Psychology *, PGDRP
SCIENCE: B. Sc. (PCM & CBZ) ,Public Health, M. Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany, Bio-Technology, Microbiology), Public Health, Environmental Science
LAW: B.A. LL.B., LL.B., LL.M. (2 Year)
ALLIED HEALTH SCIENCES: M.Sc. (Medical) Anatomy, M.Sc. (Medical) Physiology, M.Sc. (Medical) Microbiology, M.Sc. (Medical) Biochemistry
EDUCATION: B.Ed., ITEP (B.Sc. B.Ed), MA EDUCATION
PHYSICAL EDUCATION: D.P.Ed, B.P. Ed., M.P. Ed., PGDSM
SPECIAL EDUCATION: B. Ed. (ID), D. Ed. (HI), D. Ed. (IDD), ISTEP (FS) HI
HOSPITALITY MGMT. HOTEL MGMT. & CATERING TECHNOLOGY: Bachelor in HMCT- BHM, MBA. Hotel Mgmt., PG Diploma in Hotel Mgmt./ Catering Tech., UG. Diploma in Hotel Mgmt./ Catering Tech., Certificate in Hotel Mgmt./Catering Tech.
HOSPITAL AND HEALTHCARE MANAGEMENT: MBA.Hospital and Healthcare Mgmt., Executive MBA in Hospital Mgmt., PG. Diploma in Hospital Mgmt
ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCE: BA, MSW, MA (Yoga), MA (Hindi, English, History, Political Science, Sociology, Economics, Psychology, Geography)
AGRICULTURE - Scholarships As per the state Govt. Rules: Diploma (1 Yr & 3 Yrs Courses), B.Sc. Agriculture (Hons.), B.Sc. Agriculture (Hons.) L.E., B.Sc. Hons. Agribusiness Mgmt., B.Sc. Hons. Natural Farming, B.Sc. Hons. Organic Farming, B.Sc. Horticulture, B.Tech Agricultural Engineering, M.Sc. Agriculture (All Subjects)
CONTACT US: 8875028991, 92, 93, 94 | WEBSITE: www.madhavuniversity.edu.in | EMAIL: admission@madhavuniversity.edu.in
N.H.27, P.O. Bharja, Abu Road, Distt. - Sirohi (Raj.) - 307032

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE
आपका बच्चा मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करेगा और फिर योग स्टूडियो शुरू करेगा.
आपके बच्चे के लक्ष्य बदलते रहेंगे. रुचियाँ बदलेंगी और नए रास्ते सामने आएंगे.
उनके लिए तैयारी करने का मतलब है फ़ायनांशियल स्टेबिलिटी बनाना. म्युच्युअल फ़ंड में लॉन्ग-टर्म SIPs आपके आज और आनेवाले कल के लिए एक सुरक्षित बुनियाद रखने में मदद कर सकते हैं.
लॉन्ग-टर्म SIPs के साथ ज़िंदगी के सरप्राइज़ के लिए रहें तैयार.
अभी शुरू करें
SIP-Systematic Investment Plan
SBI म्युच्युअल फ़ंड द्वारा निवेशक शिक्षण और जागरूकता के लिए एक पहल.
निवेशक केवल पंजीकृत म्युच्युअल फंड्स के साथ ही व्यवहार करें, जिनके विवरण सेबी की वेबसाइट (https://www.sebi.gov.in) पर 'Intermediaries/Market Infrastructure Institutions' के अंतर्गत सत्यापित किए जा सकते हैं. कृपया वन-टाइम केवायसी (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया, जिसमें पता, फ़ोन नंबर, बैंक विवरण आदि में परिवर्तन की प्रक्रिया शामिल है, के लिए म्युच्युअल फंड्स की वेबसाइट का संदर्भ लीजिए. यदि निवेशक पंजीकृत मध्यस्थों के जवाबों से असंतुष्ट हैं, तो वे अपनी शिकायतें https://scores.sebi.gov.in पर दर्ज करा सकते हैं. स्कोअर्स (SCORES) आपको सेबी के पास अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करने और उसके बाद उसकी स्थिति देखने की सुविधा देती है.
अपने MFD/RIA से संपर्क करें | विज़िट करें: www.sbimf.com | हमें फ़ॉलो करें:
म्युच्युअल फंड निवेश बाजार के जोख़िमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ ध्यान से पढ़ें.

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- **चेतेन्द्र कुमार मिश्रा**

/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

स्पीकर देवनानी से असम विधानसभा अध्यक्ष दास ने की शिष्टाचार भेंट

राजस्थान विधानसभा भवन, सदन, संग्रहालय बहुत सुन्दर -दास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधानसभा में असम राज्य के विधानसभा अध्यक्ष रणजीत कुमार दास का दुपट्टा ओढाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। दास की विधानसभा अध्यक्ष देवनानी से यह शिष्टाचार भेंट थी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रणजीत कुमार दास को "दो वर्ष नवाचार" पुस्तक की प्रति, राजस्थान विधानसभा के लोगो की प्रतिकृति, भगवान श्री राम की मूर्ति व राजस्थान विधानसभा की दैनन्दिनी डायरी भी भेंट की।

देवनानी ने दास को राजस्थान विधानसभा के सदन, भवन तथा राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कराया। दास ने विधानसभा भवन की आधुनिक व्यवस्थाओं, सदन की कार्यप्रणाली तथा आख्यान संग्रहालय में संजोई गई राजस्थान की लोकतांत्रिक एवं संसदीय विरासत का अवलोकन किया। उन्होंने राजस्थान विधानसभा में देवनानी के नेतृत्व में किए गए नवाचारों की सराहना करते हुए उन्हें अन्य विधानमंडलों के लिए भी इन्हें अनुकरणीय बताया।

दास ने कहा कि राजस्थान विधान सभा का भ्रमण उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। वीर भूमि की महान संस्कृति की झलक के साथ लोकतंत्र की यात्रा व महान परम्पराओं की झलक देखी। उन्होंने संग्रहालय को अदभुत बताते हुए उसे भावी पीढियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बताया। दास ने राजस्थान विधान सभा भवन, सदन और संग्रहालय की सराहना करते हुए इन्हें बहुत ही सुन्दर बताया। श्री दास ने देवनानी को असम विधान सभा का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया।

दोनों विधानसभा अध्यक्षों के मध्य भारतीय संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं, विधानमंडलों में नवाचारों तथा जनकल्याण से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान संसदीय संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण तथा राज्यों के मध्य अनुभवों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान को और अधिक बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

निकाय चुनाव :15 को तारीख ऐलान संभव, ओबीसी आरक्षण का सस्पेंस होगा खत्म

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में लंबित चल रहे नगरीय निकाय और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव का मामला अब निर्णायक मुकाम पर दिख रहा है। राजनैतिक प्रतिनिधित्व की सिफारिश के लिए बने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट बुधवार 5 अगस्त को आना प्रस्तावित है। रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी। हाईकोर्ट में कहा जा चुका है कि ओबीसी कमीशन स्थानीय निकायों में ओबीसी के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर अपनी रिपोर्ट 5 अगस्त को सरकार को सौंप देगा। यह रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण के लिए निर्धारित "ट्रिपल टेस्ट" की सबसे महत्वपूर्ण शर्त को पूरा करेगी। इसके बाद सरकार आरक्षण रोस्टर को अंतिम रूप देगी और फिर राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव कार्यक्रम घोषित करेगा।

रिपोर्ट के बाद क्या होगी प्रक्रिया?

ओबीसी आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार को कई प्रशासनिक और कानूनी चरण पूरे करने होंगे। इसके तहत रिपोर्ट का परीक्षण कराया जायेगा और उसे मंजूरी भी देनी होगी। सरकार आयोग की सिफारिशों का अध्ययन करेगी। ओबीसी की वास्तविक राजनीतिक हिस्सेदारी और आरक्षण प्रतिशत तय किया जाएगा। इसके साथ ही आरक्षण का रोस्टर भी तैयार होगा। राज्य के सभी नगर निगम, नगर परिषद, नगरपालिका, जिला परिषद, पंचायत समिति और पंचायत के लिए अलग-अलग आरक्षण रोस्टर बनाया जाएगा। इसमें एससी, एसटी, ओबीसी और महिला आरक्षण का क्रम निर्धारित होगा। शेष रहे वार्ड ओपन कैटेगरी में शामिल होंगे। इसके बाद वार्डवार आरक्षण की अधिसूचना जारी होगी जिसमें बताया जाएगा कि किस वार्ड को सामान्य, एससी, एसटी, ओबीसी या फिर महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा। आरक्षण तय होने के बाद यह अधिसूचना और पूरा ब्योरा राज्य निर्वाचन आयोग को भेजा जाएगा। इसके साथ ही आयोग को स्थानीय निकायों में किए गए परिसीमन और सीमा क्षेत्र की स्थिति का ब्यौरा भी दिया जाएगा।

15 अगस्त को चुनाव कार्यक्रम का ऐलान संभव

उधर राज्य निर्वाचन आयोग ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर रखी है। आयोग ने वोटर लिस्ट तैयार करने के साथ ही पोलिंग बूथ की भी मैपिंग का काम पूरा कर लिया है। हालांकि हाई कोर्ट में राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से 17 अगस्त को चुनाव कार्यक्रम जारी करने की बात कही गई थी, लेकिन तब हाई कोर्ट ने सुझाव दिया था कि '15 अगस्त भी अच्छा दिन है, आप उसे दिन भी चुनाव कार्यक्रम जारी कर सकते हैं।' ऐसे में माना यही जा रहा है कि अगर 12-13 अगस्त तक भी आयोग को वार्ड वार आरक्षण की लॉटरी और अन्य ब्यौरा सरकार की तरफ से मिल जाता है, तो आयोग 15 अगस्त को चुनाव की तारीखों का ऐलान कर देगा।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से पहली पैरोल, 20 दिन जेल से आजादी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

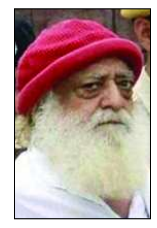

जोधपुर। जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद 87 वर्षीय आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने आसाराम की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें पहली बार 20 दिन की पैरोल पर रिहा करने का आदेश जारी किया है। हालांकि, राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन ने पैरोल का कड़ा विरोध करते हुए आसाराम के रिहा होने के बाद फरार होने की आशंका जताई थी। लेकिन हाईकोर्ट की खंडपीठ ने इन सभी आशंकाओं को पूरी तरह से निराधार और आधारहीन करार दे दिया। राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने पैरोल याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य सरकार की ओर से पैरोल खारिज करने के समर्थन में जो तर्क और आशंकाएं पेश की गई हैं, उनका कोई ठोस या मजबूत आधार सामने नहीं आया है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के पक्ष ने कोर्ट को सूचित किया कि जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, जोधपुर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आसाराम के 20 दिन के पैरोल आवेदन को पहले ही खारिज किया जा चुका था। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कालूराम भाटी और अधिवक्ता यशपालसिंह राजपुरोहित ने अदालत के समक्ष मजबूती से पैरवी की।

दुराचार के विरुद्ध आवाज उठाने और कानूनी अधिकारों के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। बिरला शिक्षा केंद्र में मंगलवार को "दुराचार के विरुद्ध आवाज उठाएं-अपने शरीर और मन की सुरक्षा करें" विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे), चित्तौड़गढ़ योगिता पारीक मुख्य वक्ता रहीं। पारीक ने विद्यार्थियों को दुराचार के विभिन्न स्वरूपों, कानूनी अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार के दुराचार का साहसपूर्वक विरोध करने तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित कानूनी सहायता लेने का आह्वान किया। विद्यालय की प्राचार्या रेखा यादव ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में कानूनी जानकारी के साथ आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय में विधिक साक्षरता संबंधी गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने के उद्देश्य से डॉ. महेश कुमार त्रिपाठी को विधिक साक्षरता क्लब का प्रभारी नियुक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय आशुतोष तिवारी ने किया। कार्यक्रम में करीब 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी एवं सुरक्षा संबंधी जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं प्रभावशाली रहा।

मदिरा दुकानों के 11 कलस्टर के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी 7 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार आबकारी एवं मद्य संयम नीति वर्ष 2025-29 में संशोधन के प्रावधान के अनुसार वर्ष 2026-27 के लिए नवीनीकरण से शेष रही पड़त मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिए वेबसाईट https//iems.rajasthan.gov.in पर नीलामी शुक्रवार, 7 अगस्त 2026 को प्रातः 11 से सांय 4 बजे तक ई-बोली आमंत्रित की गई है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में शेष 11 कलस्टर पर 14 दुकानों का बंदोबस्त किया जाना है। आबकारी आयुक्त ने बताया की ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाईट से अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रक्रियानुसार एक बारीय पंजीकरण करने के बाद ऑनलाईन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम सरकार के पोर्टल https//sso.rajasthan.gov.in पर सिटीजन केटेगरी के अन्तर्गत एसएसओ आईडी बनाना जरूरी है। उक्त नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम 5 घंटे की होगी एवं उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार तक जारी रहेगी। बोलीदाता को कम से कम 10 हजार रूपए अथवा 10 हजार के गुणांक में बढाकर बोली लगानी होगी। बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राईस पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना की जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं महिला समाधान समिति की बैठक आयोजित

लाड़ो प्रोत्साहन योजना और महिला सुरक्षा पर दें विशेष ध्यान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजनान्तर्गत जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं जिला महिला समाधान समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास तथा महिला अधिकारिता विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए महिला सुरक्षा, बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक की शुरुआत महिला अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक अंकिता राजपुरोहित ने बैठक के एजेंडे की प्रस्तुति के साथ की। उन्होंने गत बैठक की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सखी (वन स्टॉप सेंटर) तथा महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट से समिति को अवगत कराया। बैठक में बालोतरा एवं पचपदरा क्षेत्र के लिए संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र के संचालन हेतु रूरल हेल्थ एजुकेशन डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बालोतरा के कार्यकाल को एक वर्ष के लिए बढ़ाए जाने की अनुशंसा भी की गई। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के एक्शन प्लान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आगामी दिनों में आयोजित किए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों एवं अन्य प्रायोजित गतिविधियों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई, ताकि योजना का प्रभाव अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। बैठक में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि जिन कार्यालयों में 100 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां नियमानुसार आंतरिक शिकायत समिति का गठन सुनिश्चित किया जाए।

अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने सहायक निदेशक महिला अधिकारिता को लाड़ो प्रोत्साहन योजना के प्रभावी संचालन के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर पात्र बालिकाओं को अधिकतम लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला एवं बालिका कल्याण से जुड़ी योजनाओं का समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीराराम कलबी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वाकाराम चौधरी, जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी घेवरचंद प्रजापत, पुलिस विभाग से हिंगलाज दान तथा जिला शिक्षा अधिकारी बुद्धाराम चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर इंडिया की फ्लाइट में एयर टर्बुलेंस से यात्री चोटिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ है। एयर इंडिया की फ्लाइट में एयर टर्बुलेंस से कई यात्री चोटिल हुए है। एयर टर्बुलेंस के कारण कई यात्रियों को चोट आई है। जिसको लेकर एयर इंडिया ने बयान देते हुए कहा कि आज फुकेट से दिल्ली आ रही फ्लाइट AI2379 उड़ान के दौरान कुछ समय के लिए टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। इससे विमान की ऊंचाई में थोड़े समय के लिए बदलाव हुआ। विमान ने दिल्ली में सुरक्षित लैंडिंग की। सभी यात्री और क्रू सुरक्षित विमान से उतर गए। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। कुछ यात्रियों और क्रू को हल्की चोटें आई है। उन्हें एयरपोर्ट के मेडिकल सेंटर में जांच और इलाज के लिए ले जाया गया है। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। प्रभावित लोगों को हर संभव मदद दी जा रही है। घटना की जांच में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है।

नर्सिंग अधीक्षक मंटू लाल का किया स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान नर्सज एसोसिएशन के कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष मनोज दुब्बी ने बताया कि इंस्टिट्यूट ऑफ़ कार्डियोवैस्कुलर साईसेज एसएमएस मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में नर्सिंग अधीक्षक के पद पर मंटू लाल के कार्य ग्रहण करने पर राजस्थान नर्सज एसोसिएशन की महिला महामंत्री रिंकू बेनीवाल सीनियर नर्सिंग ऑफिसर शशि बाला सेन सत्यनारायण मीणा मुकेश राजेश आदि ने पोधा देकर स्वागत किया। दुब्बी ने बताया की हरा भरा और खुशहाल हो और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हमने एक मुहीम शुरू की है। "एक पेड़ अपने परिवार के नाम " जिसमें हम नए अधिकारी के कार्य ग्रहण या जन्मदिवस घर-घर जाकर पेड़ों का वितरण करेंगे। इस मुहिम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता व लोगों के स्वास्थ्य के प्रति पर्यावरण का जीवन में म्महत्व संदेश देना है।

गुणवत्ता मानकों पर जुलाई माह में 98.64 प्रतिशत नमूने सही पाए गए

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य में आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित औषधियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण संगठन द्वारा दवाओं की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जा रही है। इसी ₹ म में ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी द्वारा जुलाई 2026 के दौरान बाजार में उपलब्ध प्राप्त दवा नमूनों की जांच की गई। राठौड़ ने बताया कि जुलाई माह में कुल 587 दवा नमूनों का परीक्षण किया गया। इनमें से 579 नमूने (98.64 प्रतिशत) निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए, जबकि 10 नमूने (1.36 प्रतिशत) नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी श्रेणी में पाए गए। उन्होंने बताया कि एनएसक्यू पाए गए नमूनों में सेफिक्सिम विद लैक्टिक एसिड बैसिलस टैबलेट्स, निफेडिपिन सस्टेन्ड रिलीज टैबलेट्स, फॉर्मल्डिहाइड सॉल्यूशन, बेटामेथासोन सोडियम फॉस्फेट इंजेक्शन, मेट्रोनिडाजोल टैबलेट्स, सेफिक्सिम एवं ओफ्लॉक्सासिन डिस्पर्सिबल टैबलेट्स, टैपेंटाडोल हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट तथा लेवोसेटिरिजिन डाइहाइड्रोक्लोराइड टैबलेट्स शामिल हैं। ये नमूने विभिन्न राज्यों के औषधि निर्माताओं से संबंधित हैं। आयुक्त,खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, डॉ.टी.शुभमंगला ने बताया कि एनएसक्यू घोषित किए गए नमूनों के संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में टीबी मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा राजस्थान

जनआंदोलन से जीतेंगे टीबी की जंग-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान तकनीकी नवाचार, समयबद्ध उपचार और व्यापक जनभागीदारी से टीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, माइक्रोबायोलॉजिकल जांच नेटवर्क तथा समुदाय आधारित सक्रिय खोज अभियान को एकीकृत कर बहु-आयामी रणनीति लागू की है। इसके चलते प्रदेश में टीबी की शीघ्र पहचान, गुणवत्तापूर्ण जांच तथा उपचार तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार आया है। इससे टीबी के प्रत्येक संभावित मरीज की पहचान कर संक्रमण की श्रृंखला को समाप्त किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना कि 'टीबी मुक्त राजस्थान' केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन के सहयोग से संचालित जनआंदोलन है। राजस्थान टीबी की जंग हर हाल में जीतेगा। सरकार प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को टीबी मुक्त बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक तकनीक, सुदृढ़ जांच व्यवस्था, व्यापक जनभागीदारी तथा स्वास्थ्य विभाग के सतत प्रयासों से राजस्थान शीघ्र ही टीबी मुक्त हो सकेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेशभर में टीबी उन्मूलन की गतिविधियों को मिशन मोड में क्रियान्वित किया गया है। राज्य में वर्तमान में 137 हैंड हेल्ड डिजिटल एक्स-रे मशीनों के माध्यम से ग्राम पंचायत एवं प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थान स्तर तक विशेष स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन पोर्टेबल मशीनों के कारण दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में भी मौके पर ही चेस्ट एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध हो रही है, जिससे संभावित टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान संभव हो रही है। साथ ही, प्रदेश में 643 नाट मशीनों का

व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है, जिससे संदिग्ध मरीजों की त्वरित एवं उच्च गुणवत्ता वाली माइक्रोबायोलॉजिकल जांच सुनिश्चित हो रही है। इससे टीबी की पुष्टि कम समय में संभव होने के साथ-साथ दवा ड्रग रेजिस्टेंट टीबी की पहचान भी तेजी से हो रही है और मरीजों का उपचार शीघ्र प्रारंभ किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने टीबी नियंत्रण कार्यक्रम में एआई आधारित तकनीक का भी प्रभावी उपयोग प्रारम्भ किया है। एआई द्वारा विकसित तीन प्रमुख समाधान, कफ अगेंस्ट टीबी, प्रेडिक्शन आफ एडवर्स टीबी आउटकम्स तथा वलनरेबिलिटी मैपिंग फॉर टीबी को चरणबद्ध रूप से कार्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। कफ अगेंस्ट टीबी तकनीक खांसी की ध्वनि और लक्षणों का विश्लेषण कर फेफड़ों की संभावित टीबी की प्रारंभिक पहचान में सहायता प्रदान करती है। प्रेडिक्शन ऑफ एडवर्स टीबी आउटकम्स तकनीक लाखों टीबी मरीजों के आंकड़ों का विश्लेषण कर उन मरीजों की पहचान करती है, जिनमें उपचार के दौरान जटिलताओं की संभावना अधिक होती है, जिससे उन्हें समय पर विशेष चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराई जा सके। वहीं वलनरेबिलिटी मैपिंग फॉर टीबी तकनीक निक्षय पोर्टल तथा विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य संकेतकों के आधार पर ऐसे क्षेत्रों की पहचान करती है जहां टीबी का जोखिम अधिक है, जिससे सक्रिय रोगी खोज अभियान को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

14 जुलाई से संचालित अभियान में अब तक 85 लाख की स्क्रीनिंग–राज्य में 14 जुलाई से संचालित विशेष सक्रिय क्षय रोग खोज अभियान के अंतर्गत अब तक 85 लाख से अधिक नागरिकों की स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा चुकी है। उच्च जोखिम वाले समूहों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर आवश्यक जांच एवं उपचार से जोड़ा जा रहा है। इससे पहले टीबी मुक्त भारत अभियान - 100 दिवसीय के दौरान 24 मार्च से 27 जुलाई तक प्रदेश में 38 लाख 23 हजार लोगों की स्क्रीनिंग, 34 लाख 37 हजार के चेस्ट एक्स-रे, 2 लाख 79 हजार की नाट जांचें कर 58 हजार 358 नए टीबी मरीजों की पहचान की गई। अभियान में 15,302 ऐसे रोगी टीबी से ग्रसित पाए गए, जिनमें टीबी के लक्षण असिम्प्टोमैटिक थे।

6547 पंचायतें हुई टीबी मुक्त–टीबी उन्मूलन की मुहिम को तेज करने के लिए राज्य में जनभागीदारी पर विशेष फोकस किया गया है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, माय भारत स्वयंसेवकों, निक्षय मित्रों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा विभिन्न विभागों के सहयोग से टीबी के प्रति जागरूकता, पोषण सहायता एवं सामाजिक समर्थन का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है।

बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस का भव्य दीक्षांत समारोह : 23 स्वर्ण पदक विजेताओं सहित 900 से अधिक विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपाधियां

'युवाओं की प्रतिभा और ज्ञान से सशक्त होगा आत्मनिर्भर भारत'-डॉ. बैरवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस का भव्य एवं गरिमामय दीक्षांत समारोह बिरला ऑडिटोरियम में उत्साह, गौरव और अकादमिक गरिमा के साथ आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रहे। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई तथा विश्वविद्यालय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 23 स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, वंदे मातरम् एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी, डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी, असिस्टेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी एवं समस्त बियानी परिवार ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी ने स्वागत उद्बोधन में विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने, नवाचार को अपनाने, आत्मनिर्भर बनने तथा अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग समाज और राष्ट्र

के विकास में करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों, संकल्पों और चुनौतियों के साथ जीवन के अगले चरण में प्रवेश करने का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि आज का युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ कौशल, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और नवाचार को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी स्नातकों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रहित में अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कारों और नैतिक मूल्यों से जुड़े रहते हुए सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का संदेश दिया। बांदीकुई विधायक भगचंद टांकड़ा ने सभी स्नातकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नेशनल कमीशन फॉर होम्योपैथी के चेयरमैन प्रो. तारकेश्वर जैन ने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा दी। वहीं, राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजीव जैन ने शिक्षा, नैतिक मूल्यों, शोध एवं कौशल विकास के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए विद्यार्थियों को समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनने का संदेश दिया। दीक्षांत समारोह में वाणिज्य एवं प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, नर्सिंग, फार्मेसी, विधि, बी.पी.एड. एवं बीसीएसएम सहित विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। विश्वविद्यालय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 23 स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थियों को भी मंच पर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह एवं गौरव का वातावरण देखने को मिला।

समारोह के अंत में बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के डीन एवं प्राचार्य डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान एवं सामूहिक छायाचित्र के साथ समारोह का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

गंभीर ऑपरेशन के दौरान प्रसूताओं के परिजनों को रक्त के लिए नहीं होना पड़ेगा परेशान

ई-रक्तकोष पोर्टल को करें नियमित अपडेट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि प्रदेश के सभी राजकीय चिकित्सा संस्थान स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करें तथा प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर प्रतिमाह कम से कम एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर पर्याप्त रक्त उपलब्ध रहने से प्रसूताओं के गंभीर ऑपरेशन के दौरान समय पर रक्त मिल सकेगा और रिप्लेसमेंट के लिए उनके परिजनों को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान प्रमुख शासन सचिव ने निर्देश दिए कि सभी रक्तदान शिविरों में राजकीय ब्लड सेंटर की रक्त संग्रहण टीम के माध्यम से ही रक्त संग्रहण कराया जाए, जिससे संबंधित क्षेत्र में रक्त की उपलब्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि जिन ब्लड बैंकों द्वारा संग्रहित रक्त का अत्यधिक डिस्कार्ड किया जा रहा है, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी ब्लड सेंटर प्रतिदिन ई-रक्तकोष पोर्टल पर रक्त की उपलब्धता का अद्यतन विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज करें, ताकि प्रदेशभर में रक्त भंडार की प्रभावी निगरानी एवं आवश्यकता अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम बना 'शिवार्पणम्' अभियान

एक दिन में 530 किलो से अधिक निर्माल्य का संग्रह, अब बनेगा हरित भविष्य का आधार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम जयपुर द्वारा सावन मास में हाल ही में शुरू की गई अनूठी पहल शिवार्पणम् जनआस्था और पर्यावरण सरंक्षण का प्रेरणादायक उदाहरण बना। सोमवार को पांच प्रमुख षिव मंदिरों से 530 किलो से भी ज्यादा निर्माल्य संग्रह किया गया। आयुक्त श्री ओम कसेरा की पहल पर शुरू किये गये शिवार्पणम् अभियान के माध्यम से शहर के प्रमुख शिवालयों में भगवान षिव को अर्पित होने वाले बिल्वपत्र, पुष्प एवं जैविक निर्माल्य को कचरे में नहीं फैककर उसे वैज्ञानिक प्रक्रिया से जैविक खाद में परिवर्तित करने हेतु नगर निगम के ईवी-हूपर द्वारा शहर के प्रमुख मंदिरों से संग्रह किया गया।

पायलट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत ताड़केश्वर महादेव, झारखंड महादेव, जंगलेष्वर महादेव, चमत्कारेष्वर महादेव एवं श्री रोजगारेश्वर महादेव मंदिरों से सावन मास में प्रति दिन भगवान शिव को अर्पित किये गये बिल्वपत्र, पुष्प अन्य जैविक निर्माल्य का संग्रह ईवी-हूपर के माध्यम से किया जा रहा है।

आयुक्त श्री ओम कसेरा ने बताया कि षिव को अर्पित हर पत्ता धरती के लिये प्रसाद बने यह षिवार्पणम् अभियान की भावना है। नगर निगम का उद्देष्य है कि धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुये पर्यावरण सरंक्षण,

स्वच्छता, सर्कुलर इकॉनोमी को बढ़ावा देना है। इससे मंदिर परिसरों में स्वच्छता रहेगी। डम्पिंग यार्ड में जैविक कचरे में कमी आयेगी तथा जैविक खाद के माध्यम से पर्यावरण सरंक्षण भी होगा।

उपायुक्त डॉ. नीलम मीणा ने बताया कि सोमवार को ताडकेष्वर महादेव मंदिर से 100 किलो निर्माल्य संग्रह किया गया, जंगलेष्वर महादेव मंदिर से 80 किलो, चमत्कारेष्वर महादेव मंदिर से 80 किलो, झारखंड महादेव मंदिर से 200 किलो, श्री रोजगारेष्वर महादेव मंदिर से 70 किलो निर्माल्य संग्रह किया गया। संग्रह के बाद सामग्री को निकटतम उद्यान में 2 या 3 दिन के लिये सूखने के लिये रखा जायेगा तत्पष्चात् शेडर मषीन के माध्यम से सामग्री को निकटतम उद्यान में प्रोसेस किया जायेगा तत्पष्चात् कम्पोस्ट पिट के माध्यम से वैज्ञानिक विधि से जैविक खाद तैयार की जायेगी। इस तैयार खाद को ''षिवार्पणम्'' पैकेट द्वारा श्रद्धालुओं तथा नागरिकों तक पहुंचाया जायेगा। ताड़केष्वर महादेव मंदिर के लिये निर्माल्य संग्रह केन्द्र के रूप में जयनिवास उद्यान, पौड्रिग उद्यान, कल्पना चावला पार्क, सेक्टर 5 जवाहर नगर, श्री रोजगारेष्वर मंदिर के लिये चित्रकूट पार्क, भगतसिंह पार्क आदर्ष नगर, भारत माता उद्यान जवाहर नगर, इसी प्रकार चमत्कारेष्वर मंदिर के लिये राष्ट्रपति मैदान पार्क शास्त्री नगर, केषव पार्क श्रीराम नगर शास्त्री नगर, राघव कानन पार्क श्रीराम नगर झारखंड महादेव मंदिर के लिये परिवहन नगर शमषान पार्क, उदय नगर पार्क, एनबीसी श्मषान पार्क हसनपुरा, जंगलेष्वर महादेव मंदिर के लिये कवर कानन पार्क सिंधी कॉलोनी बनीपार्क, दीनदयाल उपाध्याय पार्क, डी सर्किल पार्क पारीक कॉलेज के पास सम्मिलित किये गये है।

त्याग, भक्ति और संत सेवा से मिलता है मोक्ष का मार्ग- प्रशांत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान में श्रावण मास के अवसर पर आयोजित शिव कथा श्रृंखला में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने शिव-सती विवाह प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए कहा कि राजमहलों के सुख-सुविधाओं को छोड़कर कैलाश पहुँची माता सती को किसी वैभव के छूटने का मलाल नहीं था। उनके लिए सबसे बड़ा सुख परम योगी भगवान शिव का साथ पाना था। उन्होंने शिव के त्याग, तप और सादगी को अपने जीवन का हिस्सा बना लिया। अग्रवाल ने शिव-सती संवाद का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि माता सती ने भगवान शिव से पूछा कि सृष्टि में श्रेष्ठ क्या है, जीव जन्म-मृत्यु के बंधन से कैसे मुक्त हो सकता है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग क्या है। भगवान शिव ने धर्म, योग, भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और संत सेवा को मोक्ष का आधार बताया। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य अहंकार और मोह से ऊपर उठकर सेवा, साधना और भक्ति को जीवन का आधार बनाता है, तभी आत्मज्ञान की अनुभूति होती है। अग्रवाल ने कहा कि शिव पुराण के शिव-सती संवाद केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले संदेश हैं।

16वें इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे पर नई दिल्ली में हुआ सम्मान

अंगदान संकल्प में राजस्थान प्रथम, राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता पुरस्कार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अंगदान जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। अंगदान संकल्प अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा।भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन द्वारा आयोजित 16वें इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे समारोह में राजस्थान को "स्टेट अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन ऑर्गन डोनेशन अवेयरनेस" से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने यह सम्मान राजस्थान की ओर से चिकित्सा शिक्षा विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि गुप्ता, सोटो राजस्थान की संयुक्त निदेशक डॉ. चित्रा सिंह, आईईसी कंसल्टेंट डॉ. धर्मेश तथा अतिरिक्त निदेशक डॉ. ममता को प्रदान किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, प्रभावी जनसंपर्क अभियान चलाने तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को संवेदनशील और जनकेंद्रित बनाने के सतत प्रयासों का परिणाम है। अंगदान किसी व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा मानवीय उपहार है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक अंगदान के महत्व को समझे और इस महाअभियान से जुड़े, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सके।

माटी कला बोर्ड के साथ अंतर्विभागीय समन्वय बैठक संपन्न

'राजस्थान री माटी' को मिलेगी अंतर्राज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री यादे माटीकला बोर्ड के तत्वावधान में मंगलवार को उद्योग भवन में माटीकला आर्टिजन के समग्र विकास एवं विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से अन्तर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने की तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. राहुलराज के संयोजन में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश राज्य के 24 विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

बैठक में माटीकला आर्टिजन को भारत सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराने के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान शिल्पकार (आर्टिजन) कार्ड, मेले एवं प्रदर्शनियों में सहभागिता, क्लस्टर विकास, सामान्य सुविधा केंद्र (कॉमन फैसिलिटी सेंटर - CFC), आधुनिक तकनीक, विद्युत भट्टी, उत्पादों के विपणन, कौशल प्रशिक्षण तथा वित्तीय सहायता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के राज्य निदेशक राहुल

मिश्रा, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), जोधपुर के सहायक निदेशक रविवीर चौधरी, सलाहकार ए. के. गुप्ता, नाबार्ड के सहायक महाप्रबंधक अमित कीरोलिया, राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के विनोद कुमार, राजीविका के अभिषेक जोनवाल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर के सहायक कार्यक्रम प्रबंधक महेश राठौड़, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास कार्यालय (एमएसएमई-डीएफओ), जयपुर, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), जोधपुर, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, खुर्जा, उ. प्र., एसटीओ विपिन कुमार व तकनीकी सहायक पिंटू कुमार, जिला उद्योग केन्द्र, जयपुर के महाप्रबंधक, टेक्निकल यूनिवर्सिटी बीकानेर सहित 24 विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के अंत में बोर्ड अध्यक्ष श्री प्रहलाद राय टाक ने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए माटीकला कलाकारों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए ठोस, प्रभावी एवं समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया।